संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050
Postal Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025

दैनिक घटती घटना

Www.ghatatighatana.com
Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 20,अंक -186 बुधवार, 08 मई 2024 , पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

लोकसभा चुनाव 2024

तीसरे चरण का मतदान खत्म

61.29 फीसदी हुई वोटिंग

1331 प्रत्याशियों की किस्मत हुई इव्हीएम में कैद

किस राज्य में कितना मतदान (प्रतिशत में)

असम : 75.1	दादरा और नगर हवेली व दमन-दीवः 65.23
यूपीः 57.3	पश्चिम बंगालः 73.93
कर्नाटकः 67.26	बिहारः 56.55
गुजरातः 56.65	एमपीः 63.03
गोवाः 74.27	महाराष्ट्र 54.22
छत्तीसगढ़ः 66.99	

इन दिग्गजों की किस्मत ईव्हीएम में बंद

तीसरे चरण के चुनाव में 120 महिलाओं समेत करीब 1,300 उम्मीदवार मैदान में थे। जिन प्रमुख नेताओं की हार-जीत का फैसला ईवीएम में बंद हो चुका है, उनमें केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया, केंद्रीय मंत्री पुरुषोत्तम रुपाला, श्रीपद यसो नाइक, एसपी सिंह बघेल, नारायण राणे और ज्योतिरादित्य सिंधिया शामिल हैं। इनके अलावा मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान, कांग्रेस के अधीर रंजन चौधरी, दिग्विजय सिंह व एनसीपी की सुप्रिया सुले भी चुनाव लड़ रही थी।

इन व्हीव्हीआईपी सीटों पर टिकी सबकी नजर

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुजरात की गांधी नगर सीट से चुनाव लड़ा। मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान इस चुनाव में विदिशा लोकसभा सीट से भाजपा के उम्मीदवार थे। वहीं, कांग्रेस पार्टी की ओर से पश्चिम बंगाल के बरहामपुर में अधीर रंजन चौधरी और मध्य प्रदेश के राजगढ़ में दिग्विजय सिंह मैदान में थे। गुना, मध्य प्रदेश से ज्योतिरादित्य सिंधिया भाजपा के टिकट पर चुनाव लड़ रहे थे और उत्तर प्रदेश की मैनपुरी से समाजवादी पार्टी की डिंपल यादव उम्मीदवार थीं।

तीसरे चरण में कुल 17.24 करोड़ से अधिक मतदाता

तीसरे चरण में कुल 17.24 करोड़ से अधिक मतदाता थे। 17.24 करोड़ से अधिक मतदाताओं में 8.85 करोड़ पुरुष व 8.39 करोड़ महिलाएं हैं। 85 वर्ष से अधिक आयु के 14.04 लाख से अधिक, 100 वर्ष से अधिक आयु के 39,599 मतदाता और 15.66 लाख दिव्यांग मतदाता थे।

नई दिल्ली,07 मई 2024(ए)। लोकसभा चुनाव 2024 के तीसरे चरण में आज 11 राज्यों की 93 सीटों पर 7 मई को मतदान हुआ। इस चरण में कुल 1331 प्रत्याशी चुनावी मैदान में हैं। सुबह 7:00 बजे से शुरू हुआ मतदान शाम 6:00 बजे संपन्न हुआ। हालांकि,कुछ लोकसभा सीटों पर मतदान शाम 4 बजे ही खत्म हो गया था। लोकसभा चुनाव के तीसरे चरण में उत्तर प्रदेश की 10, गुजरात की 25, कर्नाटक की 14, महाराष्ट्र की 11, मध्यप्रदेश की नौ, असम की चार, बिहार की पांच,छत्तीसगढ़ की सात,पश्चिम बंगाल की चार, दमन दीव और दादरा एवं नगर हवेली की दो सीटों पर मतदान हुआ है। तीसरे चरण का रण खासा दिलचस्प है, क्योंकि इसमें 10 केंद्रीय मंत्रियों और चार पूर्व मुख्यमंत्री समेत कई दिग?गजों की साख दांव पर लगी है।

11 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की 93 लोकसभा सीटों पर मतदान

तीसरे फेज में बिहार में झंझारपुर, सुपौल, अररिया, मधेपुरा और खगड़िया सीटों पर वोटिंग हुई। इसी तरह, पश्चिम बंगाल में मालदा उत्तर, मालदा दक्षिण, जंगीपुर और मुर्शिदाबाद में मतदान हुआ। गोवा में उत्तरी गोवा और दक्षिण गोवा निर्वाचन क्षेत्र शामिल रहा। गुजरात में कच्छ, बनासकांठा, पाटन, महेसाणा, साबरकांठा, गांधीनगर, अहमदाबाद पूर्व, अहमदाबाद पश्चिम, सुरेंद्रनगर, राजकोट, पोरबंदर, जामनगर, जूनागढ़, अमरेली, भावनगर, आनंद, खेड़ा, पंचमहल, दाहोद, वडोदरा, छोटा उदयपुर, भरूच, बारडोली, नवसारी और वलसाड में वोटिंग हुई। उत्तर प्रदेश के मतदान क्षेत्रों में संभल, हाथरस, आगरा (एससी), फ़तेहपुर सीकरी, फ़िरोज़ाबाद, मैनपुरी, एटा, बदायूं, आंवला और बरेली में मतदान हुआ। कर्नाटक की चिक्कोडी, बेलगाम, बागलकोट, बीजापुर, गुलबर्गा, रायचूर, बीदर, कोप्पल, बेल्लारी, हावेरी, धारवाड़, उत्तर कन्नड़, दावणगेरे और शिमोगा लोकसभा सीटों पर वोटिंग हुई। मध्य प्रदेश में भिंड, भोपाल, गुना, ग्वालियर, मुरैना, राजगढ़, सागर, विदिशा और बैतूल सीटों पर मतदान हुआ। महाराष्ट्र के बारामती, रायगढ़, उस्मानाबाद, लातूर (एससी), सोलापुर (एससी), माधा, सांगली, सतारा, रत्नागिरी-सिंधुदुर्ग, कोल्हापुर में वोटिंग हुई। इनके अलावा, दादरा और नगर हवेली दमन और दीव भी चुनावी प्रक्रिया का हिस्सा रहे।

पीएम मोदी ने किया अपने मताधिकार का इस्तेमाल,लोगों से की ये अपील

लोकसभा चुनाव 2024 के लिए आज तीसरे चरण की वोटिंग जारी है। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुजरात के अहमदाबाद में मतदान किया। इस दौरान उनके साथ गृहमंत्री अमित शाह भी नजर आए। बता दें कि आज गुजरात की 25 सीटों पर मतदान हुआ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज देशवासियों से मतदान की अपील की। उन्होंने अपने एक्स हैंडल पर पोस्ट करके देश को संदेश दिया। उन्होंने लोगों से ज्यादा से ज्यादा मतदान करके भाजपा उम्मीदवारों को जिताने की अपील भी की।

अपीलकर्ता को हाईकोर्ट से झटका, भगवान हनुमान को पक्षकार बनाया

नई दिल्ली,07 मई 2024(ए)। दिल्ली हाई कोर्ट ने उस व्यक्ति पर एक लाख रुपये का जुर्माना लगाया है जिसने भगवान हनुमान के मंदिर वाली एक निजी भूमि पर कब्जे के संबंध में एक याचिका में उन्हें भी सह-वादी बनाया है। याचिका किसी अन्य पक्ष को भूमि के ट्रांसफर के संबंध में उनकी आपत्ति याचिका को खारिज करने के निचली अदालत के आदेश के खिलाफ अपील के रूप में दायर की गई थी। याचिका में दावा किया गया था कि चूंकि संपत्ति पर एक मंदिर है, इसलिए जमीन भगवान हनुमान की है और अपीलकर्ता अदालत के सामने उनके निकट मित्र और उपासक के रूप में उपस्थित है। इसे संपत्ति को कब्जाने के इरादे से सांठगांठ का मामला बताते हुए जस्टिस सी हरि शंकर ने अपील को खारिज कर दिया। उन्होंने फैसला सुनाया कि अपीलकर्ता व्यक्ति ने जमीन के मौजूदा कब्जाधारकों के साथ मिलीभगत की ताकि एक अन्य पक्ष को मुकदमे के बाद दोबारा कब्जा हासिल करने से रोका जा सके। अदालत ने 6 मई को पारित आदेश में कहा, प्रतिवादियों (मौजूदा कब्जाधारकों) ने वादी (अन्य पक्ष) की जमीन पर कब्जा कर लिया। वादी ने कब्जा पाने के लिए मुकदमा दायर किया था। प्रतिवादियों ने वादी से जगह खाली करने के लिए 11 लाख रुपये मांगे। उन शर्तों पर फैसला सुनाया गया। इसके बाद वादी ने वास्तव में 6 लाख रुपये का भुगतान किया लेकिन प्रतिवादियों ने फिर भी जमीन खाली नहीं की। अदालत ने कहा, वादी ने निष्पादन के लिए आवेदन किया। वर्तमान अपीलकर्ता, जो तीसरा पक्ष है, ने यह कहते हुए आपत्ति दर्ज की कि जमीन पर भगवान हनुमान का सार्वजनिक मंदिर है और इसलिए, वह भूमि भगवान हनुमान की है और वह भगवान हनुमान के निकट मित्र के रूप में उनके हित की रक्षा करने का हकदार है। अदालत ने कहा कि जनता के पास निजी मंदिर में पूजा करने का अधिकार होने की कोई अवधारणा नहीं है, जब तक कि मंदिर का मालिक ऐसा अधिकार उपलब्ध नहीं कराता या समय बीतने के साथ निजी मंदिर सार्वजनिक मंदिर में तब्दील नहीं हो जाता।

आज की कांग्रेस...महात्मा गांधी की कांग्रेस नहीं:राधिका खेड़ा

भाजपा में शामिल हुईं राधिका खेड़ा

नई दिल्ली,07 मई 2024(ए)। कांग्रेस की प्रवक्ता रहीं राधिका खेड़ा ने भाजपा का दामन थाम लिया है। खेड़ा ने दो दिन पहले कांग्रेस पार्टी से इस्तीफा दिया था। राधिका खेड़ा ने अपने साथ छत्तीसगढ़ में दुर्व्यवहार करने और साजिश रचने का आरोप लगाया था। बीजेपी में शामिल होने के बाद कांग्रेस की पूर्व नेता राधिका खेड़ा ने कहा कि रामभक्त होने के नाते रामलला के दर्शन करने पर कौशल्या माता की धरती पर मेरे साथ दुर्व्यवहार किया गया। खेड़ा ने कहा कि मुझे भाजपा सरकार, मोदी सरकार का संरक्षण नहीं मिला था। आज की कांग्रेस महात्मा गांधी की कांग्रेस नहीं है, यह राम विरोधी, हिंदू विरोधी कांग्रेस है।

इससे पहले राधिका खेड़ा ने कांग्रेस से इस्तीफा देने के बाद कहा था कि छत्तीसगढ़ कांग्रेस के संचार विभाग के चेयरमैन सुशील आनंद शुक्ला ने अपने दो साथियों के साथ रायपुर के पार्टी ऑफिस में उनके साथ अभद्रता करने की कोशिश की। जब उन्होंने इसके बारे में पार्टी के शीर्ष नेताओं को जानकारी दी, तब आरोपी नेताओं के ऊपर कोई कार्रवाई नहीं की गई। यहां तक कि कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी, कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी, मल्लिकार्जुन खरगे और जयराम रमेश तक सबको इस आपत्तिजनक घटना के बारे में बताया गया, लेकिन आरोपी नेताओं पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। इसके बाद हताश होकर उन्होंने कांग्रेस पार्टी को अलविदा कह दिया। राधिका खेड़ा ने कहा था कि घटना 30 अप्रैल की है। शाम को लगभग छह बज रहे थे। मैं पार्टी ऑफिस में कुछ काम कर रही थी। उसी समय छत्तीसगढ़ कांग्रेस का प्रवक्ता सुशील आनंद शुक्ला अपने दो साथियों नितिन भंसाली और सुरेंद्र वर्मा के साथ कमरे में आया। ये दोनों लोग भी छत्तीसगढ़ कांग्रेस के प्रवक्ता हैं। इसके एक साथी ने कमरा पीछे से बंद कर लिया। कमरा किसने बंद किया, यह मैं नहीं देख पाई, लेकिन कमरा बंद होने की आवाज सुनते ही मैंने अपना फोन निकाल लिया और कैमरा चालू कर दिया। मैंने चिल्लाना शुरू कर दिया। इसके बाद बाहर निकलकर मैंने इस घटना की जानकारी सबको दी। लेकिन किसी ने कोई कार्रवाई नहीं की। जब इस घटना के छह दिन बीत जाने के बाद भी ऐसे अपराधियों पर कोई कार्रवाई नहीं हुई, मैंने कांग्रेस छोड़ने का फैसला कर लिया।

बीजेपी जॉइन की डील कितने में हुई हैं ये राधिका खेड़ा बताएं:भूपेश बघेल

छत्तीसगढ़ से लेकर दिल्ली तक राधिका खेड़ा ने जो बखेड़ा खड़ा किया वो थमने का नाम नहीं ले रहा है। पूर्व सीएम भूपेश बघेल ने राधिका के पार्टी बदलने पर तंज कसा है। राधिका खेड़ा के बीजेपी जॉइन करने पर पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि डील तो हुई है और कितने की डील हुई है ये राधिका खेड़ा बताएं। वहीं मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कांग्रेस नेताओं को विलुप्त प्रजाति का बता दिया है। जिस पर भूपेश बघेल ने पलटवार करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री मतदाताओं को श्रद्धांजलि दे रहे हैं, बीजेपी के नेताओं का मानसिक स्थिति ठीक नहीं है। बता दें कि कुछ दिन पहले कांग्रेस की राष्ट्रीय प्रवक्ता रही राधिका खेड़ा के साथ संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला के साथ बहसबाजी हुई थी। जिसके बाद सियासी गलियारे में जमकर बवाल हुआ। उसके बाद पार्टी से इस्तीफा देकर राधिका खेड़ा ने सोमवार को सुशील आनंद शुक्ला समेत कांग्रेस के अन्य नेताओं पर गंभीर आरोप लगाया था। वहीं आज राधिका भाजपा में शामिल हो गई। जिसके बाद राधिका खेड़ा पर भी कई सवाल खड़े किये जा रहे हैं।

हरियाणा में भाजपा की नायब सिंह सैनी के नेतृत्व वाली सरकार अल्पमत में

तीन निर्दलीय विधायकों ने सरकार से समर्थन वापस लिया

चंडीगढ़,07 मई 2024 (ए)। लोकसभा चुनाव के तीसरे चरण के मतदान के बीच हरियाणा में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को झटका देते हुए तीन निर्दलीय विधायकों ने मंगलवार को घोषणा की कि उन्होंने राज्य में नायब सिंह सैनी के नेतृत्व वाली सरकार से अपना समर्थन वापस ले लिया है। कहा जा रहा है कि नायाब सिंह के नेतृत्व वाली सरकार अब अल्पमत में आ गई है। निर्दलियों ने कांग्रेस को समर्थन देने का फैसला लिया है।

तीन विधायकों-सोमबीर सांगवान, रणधीर गोलन और धर्मपाल गोंदर ने यह भी कहा कि उन्होंने चुनाव के दौरान कांग्रेस को समर्थन देने का फैसला किया है। तीनों विधायकों ने हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा और प्रदेश कांग्रेस प्रमुख उदय भान की मौजूदगी में रोहतक में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में यह घोषणा की।

गोंदर ने कहा, ''हम सरकार से समर्थन वापस ले रहे हैं। हम अब कांग्रेस के साथ हैं।'' उन्होंने कहा, ''हमने किसानों से जुड़े मुद्दों सहित विभिन्न मुद्दों पर यह निर्णय लिया है।''

उदय भान ने संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''तीन निर्दलीय विधायकों - सोमबीर सांगवान,रणधीर गोलन और धर्मपाल गोंदर ने भाजपा नीत सरकार से अपना समर्थन वापस ले लिया है और कांग्रेस को अपना समर्थन देने का फैसला किया है।''

उदय भान ने कहा, ''मैं यह भी कहना चाहता हूं कि (90 सदस्यीय) हरियाणा विधानसभा की मौजूदा क्षमता 88 की है, जिसमें से भाजपा के 40 सदस्य हैं। भाजपा नीत सरकार को पहले जननायक जनता पार्टी (जजपा) के विधायकों और निर्दलीय विधायकों का समर्थन प्राप्त था, लेकिन जजपा ने भी समर्थन वापस ले लिया था और अब निर्दलीय भी साथ छोड़ रहे हैं।''

उन्होंने कहा, ''नायब सिंह सैनी के नेतृत्व वाली सरकार अब अल्पमत में है। मुख्यमंत्री सैनी को अपना इस्तीफा दे देना चाहिए, क्योंकि उन्हें एक मिनट भी पद पर रहने का अधिकार नहीं है।'' उन्होंने कहा कि राज्य में जल्द से जल्द विधानसभा चुनाव होने चाहिए।

संपादकीय

सियासी खुदकुशी होगी

आरक्षण एक बार फिर चुनाव मैदान में है। अंतर केवल इतना है कि अबकी इसे लालू प्रसाद ने नहीं, कांग्रेस ने लाया है। इसके नेता राहुल गांधी अपनी चुनावी सभाओं में भाजपा और उसके नेता नरेन्द्र मोदी को आरक्षण मिटाने वाला गैंग कह रहे हैं। इससे भाजपा आत्मरक्षात्मक मुद्रा में आ गई है। उसे 2015 के बिहार विधानसभा चुनाव में मिली चोट ताजा हो गई है। तब आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने चुनाव-बीच आरक्षण की समीक्षा की बात कर चौंका दिया था। यद्यपि संविधान में इसका जिक्र है कि 15 साल बाद इसकी समीक्षा की जाएगी और उस आधार पर हटाया भी जा सकता है, लेकिन संसद सर्वसम्मत से इसे आगे बढ़ाती रही है।यह मान लिया गया है कि भारतीय समाज इस उन्नत दशा में नहीं पहुंचा है कि आरक्षण की समीक्षा की जाए। इसे ध्यान में रखकर ही भागवत के बयान पर सफाई दी गई और दिलाई भी गई। पर राजद नेता लालू प्रसाद ने बड़ी कुशलता से मतदाताओं का रुख बदल दिया था।भाजपा बिहार में कमांडर होते-होते रह गई थी। इस बार भी कांग्रेस के प्रचार से ऐसे परिणाम के आसार नजर आ रहे हैं। जब 2024 के चुनाव में, नरेन्द्र मोदी की भाजपा ने अबकी बार 400 पार' का नारा दिया तो विपक्ष ने, इतनी सीटों को संविधान बदलने, लोकतंत्र नष्ट करने के उसकी हवस' से जोड़ दिया।इसमें भाजपा के कुछेक अदूरदर्शी नेताओं के बयान-भाषणों ने भी कांग्रेस का साथ दिया। आरक्षण पर आरएसएस का शुरू से ही एक रिजर्वेशन रहा है। इसलिए जब भी ऐसी चर्चा होती है, संघ के स्थापना काल का नजरिया सामने आ जाता है। भागवत इससे इनकार करते हैं। यह सच है कि मोदी का मौजूदा मंत्रिमंडल आरक्षण के व्यवहारत-निर्वाह का सुंदर प्रमाण है।यह स्वतंत्र भारत का ऐसा पहला मंत्रिमंडल है। खुद मोदी ओबीसी हैं। फिर भारतीय राजनीतिक चेतना के मौजूदा स्तर को देखते हुए संविधान, चुनाव या लोकतंत्र तथा आरक्षण को खारिज करने की किसी दल की हिमाकत, उसकी सियासी खुदकुशी होगी। इसके लिए कौन दल तैयार होगा? आरक्षण, संविधान और लोकतंत्र सब रहेगा।यह बिल्कुल प्रचार के लिए प्रचार की बात है। इसमें वह कांग्रेस अपरहैंड है। भाजपा सफाई तो दे रही है पर इसका प्रतिकारी विमर्श कम बना रही है। कांग्रेस के मैनिफेस्टो, उसके विज्ञापन एवं उसके नेताओं के मुद्दे भाजपा के लिए एक छटपटाहट पैदा करते हैं। एक दशक धुआंधार कार्यक्रम चलाने वाली सत्ताधारी पार्टी के पास विपक्ष को घेरने के मुद्दे में टटकापन नहीं है।

कांग्रेस की दिशाहीनता एवं बढ़ता पलायन

"आज के परिदृश्यों में कांग्रेस अनेकों विरोधाभासों एवं विसंगतियों से भरी है...चुनाव प्रचार हो...या उम्मीदवारों का चयन...,राजनीतिक वायदें हो...या चुनावी मुद्दें ... हर तरफ कांग्रेस कई विरोधाभासों से घिरी है...उसकी सारी नीतियों में,सारे निर्णयों में, व्यवहार में...कथन में विरोधाभास स्पष्ट परिलक्षित है..."

लोकसभा के चुनाव उग्र से उग्रतर होते जा रहे हैं, लोकतंत्र के महायज्ञ की 7 मई को आधी से ज्यादा आहुति पूरी होने वाली है, पहले चरण में 102 और दूसरे चरण में 88 सीटों पर मतदान हो चुका है। तीसरे चरण में 94 सीटों पर मतदान होने वाला है। इसके बाद 543 में से आधे से अधिक यानी 284 सीटों पर मतदान पूर्ण हो जाएगा। जैसे-जैसे चुनाव आगे बढ़ रहे हैं, कांग्रेस की मुश्किलें बढ़ती जा रही है। भाजपा की ओर रुख करते नेताओं ने कांग्रेस की नींद उड़ा कर रख दी है। यह सिलसिला आगे भी जारी रहने वाला है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर आक्रामक, तीक्ष्ण एवं तीखे आरोप लगाने वाली कांग्रेस पार्टी में लगातार हो रही टूट एवं पार्टी छोड़ने के कांग्रेसी नेताओं के सिलसिले को रोक नहीं पा रही है। इस बड़े संकट से बाहर निकलने का रास्ता कांग्रेस को नहीं सूझ रहा है। कांग्रेस के लिए लोकसभा चुनाव के दौरान सबसे बड़ा झटका इंदौर में लगा, जहां से पार्टी के उम्मीदवार अक्षय कांति बम ने नामांकन वापसी के अंतिम दिन मैदान ही छोड़ दिया और वो भाजपा में शामिल हो गए। इससे पहले विपक्षी दलों का गठबंधन 'इंडिया' को खजुराहो में झटका लगा था, जहां आपसी समझौते के चलते यह सीट समाजवादी पार्टी को दी गई थी। समाजवादी पार्टी की उम्मीदवार मीरा दीपक यादव का पर्चा निरस्त हो गया। इस तरह राज्य की 29 लोकसभा सीटों में से दो- खजुराहो और इंदौर ऐसी है जहां से कांग्रेस मुकाबले में ही नहीं है। कांग्रेस प्रवक्ता राधिका खेड़ा एवं दिल्ली के कांग्रेसी नेता अरविन्द सिंह लवली ने 'नाइंसाफी' के कारण पार्टी से इस्तीफा दिया है। लवली तो अपने अन्य साथियों के साथ भाजपा में शामिल हो गये हैं। पुरी से कांग्रेस प्रत्याशी सुचारिता महंती ने यह कहते हुए टिकट लौटा दिया कि पार्टी चुनाव लड़ने के लिए धन नहीं दे रही है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि उनके क्षेत्र में ओडिशा विधानसभा चुनावों के लिए कमजोर उम्मीदवार उतारे गए हैं। ऐसा प्रतीत होता है कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व में राजनीतिक अपरिपक्वता, दिशाहीनता एवं निर्णय-क्षमता का अभाव है। इसकी भी अनदेखी नहीं की जा सकती कि कांग्रेस कई राज्यों में बेमन से चुनाव लड़ रही है।

आज के परिदृश्यों में कांग्रेस अनेकों विरोधाभासों एवं विसंगतियों से भरी है। चुनाव प्रचार हो या उम्मीदवारों का चयन, राजनीतिक वायदें हो या चुनावी मुद्दें हर तरफ कांग्रेस कई विरोधाभासों से घिरी है। उसकी सारी नीतियों में, सारे निर्णयों में, व्यवहार में, कथन में विरोधाभास स्पष्ट परिलक्षित है। यही कारण है कि उसकी राजनीति में सत्य खोजने से भी नहीं मिलता। उसका व्यवहार दोगला हो गया है। दोहरे मापदण्ड अपनाने से उसकी हर नीति, हर निर्णय समाधानों से ज्यादा समस्याएं पैदा कर रही हैं। यही कारण है कि कांग्रेस नेताओं के पार्टी छोड़ने या फिर चुनाव लड़ने से इन्कार करने का सिलसिला खत्म होने का नाम नहीं ले रहा है। यह निर्णय क्षमता का अभाव ही है या हार का डर कि राहुल गांधी और प्रियंका गांधी ने क्रमशः अमेठी और रायबरेली से चुनाव लड़ने का निर्णय लेने में बड़ी कोताही बनती है। अब राहुल ने अमेठी में स्मृति ईरानी का सामना करने में स्वयं को अक्षम पाया तो रायबरेली से नामांकन पत्र दाखिल कर दिया और प्रियंका एक बार फिर चुनाव लड़ने से दूर ठिठक गईं। राहुल गांधी का अमेठी के बजाय रायबरेली से चुनाव लड़ना भी कांग्रेस की दिशाहीनता का सूचक है। यह हास्यास्पद है कि गांधी परिवार के करीबी एवं चाटुकार कांग्रेस नेता राहुल के अमेठी से चुनाव न लड़ने के फैसले को यह कहकर बड़ी राजनीति जीत बता रहे हैं कि पार्टी ने स्मृति इरानी का महत्व कम कर दिया। क्या सच यह नहीं कि कांग्रेस ने अमेठी से स्मृति इरानी की जीत सुनिश्चित करने का काम किया है? राहुल गांधी का दो-दो सीटों से का चुनाव लड़ना भी यह दर्शाता है कि दोनों में से एक सीट पर तो वे जीत हासिल कर ही लेंगे। लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 का सेक्शन 33 प्रत्याशियों को अधिकतम दो सीटों से चुनाव लड़ने की अनुमति भी देता है। देश में लोकतंत्र की जड़ें लगातार मजबूत हो रही हैं। ऐसे में नेताओं के एक से अधिक सीटों पर चुनाव लड़ने को लेकर विसंगतियां भी सामने आ रही हैं। विमर्श इस बात पर हो रहा है कि जब एक व्यक्ति को एक वोट का अधिकार है तो प्रत्याशी को दो सीटों पर चुनाव लड़ने की अनुमति क्यों होनी चाहिए? नेता अपने राजनीतिक हितों के लिए एक साथ दो सीटों पर चुनाव लड़ते हैं और दोनों सीटों पर चुनाव जीतने की स्थिति में अपनी सुविधानुसार एक सीट से इस्तीफा दे देते हैं। कानूनी रूप से उनके लिए ऐसा करना जरूरी भी है। फिर उस सीट पर उपचुनाव होता है। इसमें न सिर्फ करदाताओं का पैसा खर्च होता है बल्कि उस क्षेत्र के मतदाता भी ठगा हुआ महसूस करते हैं। इस बात की पड़ताल जरूरी है कि दो सीटों से चुनाव लड़कर राहुल गांधी भारतीय लोकतंत्र को मजबूत कर रहे हैं या इस व्यवस्था से सिर्फ अपने राजनीतिक हित साध रहे हैं? भले ही राहुल गांधी चुनाव प्रचार के दौरान बेहद आक्रामक दिख रहे हों, लेकिन वह अपने नेताओं और कार्यकर्ताओं में जोश नहीं भर पा रहे हैं। इसका एक कारण गठबंधन के नाम पर अपने पुराने मजबूत गढ़ों में भी अपनी राजनीतिक जमीन छोड़ना है। यह कांग्रेस ही लगातार कमजोर होती राजनीति ही है कि वह जीत की संभावना वाली सीटों को भी महागठबंधन के अन्य दलों को दे रही है। ऐसे ही निर्णयों के चलते कांग्रेसजनों के लिए भी यह समझना कठिन है कि दिल्ली में आम आदमी पार्टी से समझौता करने से पार्टी को क्या हासिल होने वाला है? इस बार गांधी परिवार दिल्ली में उस आम आदमी पार्टी के प्रत्याशियों को बोट देगा, जिसने उसे रसातल में पहुंचाया। इस तरह के मामले केवल यही नहीं बताते कि कांग्रेस उपयुक्त प्रत्याशियों का चयन करने में नाकाम है, बल्कि यह भी इंगित करते हैं कि उसके पास अपनी खोई हुई जमीन वापस पाने और अपने कार्यकर्ताओं में उत्साह का संचार करने की कोई ठोस रणनीति नहीं है। कांग्रेस की नीति एवं नियत भी संदेह के घेरों में हैं। क्या कारण है कि पड़ोसी देश पाकिस्तान के नेता अब दुआ कर रहे हैं कि कांग्रेस का 'शहजादा' भारत का प्रधानमंत्री बने। दुश्मन राष्ट्र के नेता अगर किसी व्यक्ति या नेता के प्रधानमंत्री बनने की कामना करते हैं तो निश्चित ही उस देश का हित जुड़ा होता है। पड़ोसी देश भले ही राहुल गांधी को प्रधानमंत्री के रूप में देखना चाहता हो लेकिन भारत की जनता अपने हितों की रक्षा करते हुए विवेकपूर्ण मतदान के लिये तत्पर है। भारत मजबूत प्रधानमंत्री वाला मजबूत देश चाहता है। नए भारत के 'सर्जिकल और एयर स्ट्राइक' ने उस पाकिस्तान को हिलाकर रख दिया था जिसे कांग्रेस शासन के दौरान भारत पर आतंकी हमलों का समर्थन करने के लिए जाना जाता था। कांग्रेस ने बहुसंख्यक समुदाय की भावनाओं को नजरअंदाज करते हुए मुस्लिम तुष्टिकरण की राजनीति की है, उसी का परिणाम है कि जिसने 500 वर्षों तक पीढ़ियों के संघर्ष के बाद बने प्रभु श्रीराम मंदिर के उद्घाटन समारोह एवं मन्दिर से कांग्रेस दूरी बनाये रखी है। जम्मू और कश्मीर से अनुच्छेद 370 को निरस्त करने के निर्णय का भी विरोध किया है, जबकि अब वहां आतंकवाद खत्म होकर शांति, अमन एवं विकास की गंगा प्रवहमान है। जनता ही नहीं, कांग्रेस के नेता भी कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व की इन विसंगतियों एवं विडम्बनाओं को समझ रहे हैं और पार्टी से पलायन कर रहे हैं। मुगलों व अंग्रेजों की भाषा बोल रहे व हिंदू जनमानस व हिंदू संस्कृति के विरुद्ध जहर उगल रहे राहुल गांधी को पिछले दो लोकसभा चुनाव की तरह आगामी लोकसभा चुनाव में जनता क्या जबाव देती, यह भविष्य के गर्भ में हैं।

-ललित गर्ग-

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

नाभि बताती है वृत्ति, प्रकृति और व्यक्तित्व

वीरेंद्र बहादुर सिंह
नोएडा
उत्तरप्रदेश

सामुद्रिकशास्त्र में शरीर के विभिन्न अंगों के बारे में वर्णन किया गया है। इनमें एक है नाभि, जो पेट के ऊपर स्थित हमारे शरीर का बहुत सुंदर हिस्सा है। यह नाभि आप की वास्तविक स्थिति से जुड़ी तमाम बातें बताती है। नाभि द्वारा व्यक्तित्व, स्वभाव और भाग्य के बारे में भी जाना जा सकता है।

गोल नाभि

बहुतेरी स्त्रियों की नाभि का आकार गोल होता है। ऐसी स्त्रियों के बारे में माना जाता है कि इनका स्वभाव सौम्य और सरल होता है। तन से स्वस्थ और सोच-विचार कर ही हमेशा कदम आगे रखती हैं। ये बहुत दयालु और ईमानदार होती हैं। बहुत जल्दी सोच कर निर्णय लेती हैं।

लंबी तथा वक्र नाभि

लंबी नाभि वाली स्त्रियां बहुत ही बोल्ड और सेक्सी होती हैं। इन्हें अपने काम में अधिक रुचि होती है और ये अपना जीवन परफेक्शन में जीना पसंद करती हैं। ये स्वच्छता पसंद होती हैं। ऐसी स्त्रियां बहुत हिम्मत वाली और स्वभाव से निडर होती हैं। जब तक इन्हें काम करने के बाद अच्छा अनुभव नहीं होता, तब तक इन्हें चैन नहीं मिलता।

केंद्र से दूर हो ऐसी नाभि

अगर किसी स्त्री की नाभि पेट के केंद्र में न हो कर थोड़ा दूर हो तो वह बहुत बातूनी होती है। वह मूडी होती है और खेलकूद का क्षेत्र उसे अच्छा लगता है। ये सभी से अलग होती हैं।

संवेदनशील नाभि

नाभि को स्पर्श करने के साथ ही शरीर में मानो करंट दौड़ गया हो ऐसा लगने वाली नाभि को संवेदनशील नाभि कहते हैं। ऐसी स्त्रियों को हंसना-हंसाना अधिक पसंद होता है। ऐसी महिलाओं से मिलने के बाद कोई दुखी नहीं रहता।

ऐसी नाभि जो संवेदनशील न हो,

नाभि को स्पर्श करने के बाद भी कोई असर न हो ऐसी नाभि वाली स्त्रियां स्वभाव से सख्त होती हैं। इन्हें प्यार करना अच्छे से आता है। एक बात जान लीजिए कि अगर ऐसी स्त्रियां नाराज हो जाएं तो इन्हें मनाना आसान नहीं है।

नाभि के बीच वाला भाग अधिक बाहर निकला हो तो ऐसी स्त्रियों को गर्भधारण करने में मुश्किल आती है। यह जैसा संतान सुख चाहती हैं, वैसा नहीं मिलता।

उठी हुई नाभि

गहरी न हो और बाहर की ओर सपाट तक आती हो तो इसे उठी हुई नाभि कहा जाता है। इस तरह की नाभि वाली स्त्रियां धनवान और भाग्यशाली होती हैं। ये हमेशा सकारात्मक विचार रखती हैं और हर मामले को ले कर उत्साहित रहती हैं।

तिरछी नाभि

जिनकी नाभि का आकार तिरछा होता है, ऐसी स्त्रियों को समझना बहुत मुश्किल होता है। इसलिए ऐसी स्त्रियों से हमेशा बच कर रहना चाहिए। वे आप की अच्छी बातों में गलत प्वाइंट निकालेंगी। ये हमेशा दूसरों की कमियां ढूंढ़ती रहती हैं।

पुरुषों की नाभि

स्त्रियों की तरह पुरुषों के बारे में भी उनकी नाभि से जानकारी मिलती है। जिसकी नाभि ऊपर की ओर उठी हो, उस आदमी को जीवन में बहुत संघर्ष करना पड़ता है। पर उनकी संतानें होशियार होती हैं। उन्हें जीवन में धन कमाने का बहुत मौका मिलता है। पर उनकी आत्मा उन्हें अनुमति नहीं देती। विश्वसनीयता का नैतिक गुण हमेशा उनमें विद्यमान रहता है। जिसके कारण लोग उनका मान-सम्मान करते हैं।

✷ दक्षिणावर्त, दाहिनी नाभि को शुभ माना जाता है और वामावर्त नाभि को अशुभ माना जाता है।

✷ गहरी नाभि सुख और भोग प्रदान करती है। जबकि उठी हुई नाभि दुख देती है।

✷ जिसकी नाभि ऊंचीऔर गहरी होती है, उसका विवाह किसी धनाढ्य स्त्री के साथ होता है। ऐसे पुरुषों को सौंदर्य का पुजारी माना जाता है और इन्हेंआकस्मिक धन लाभ होता है। ये मिलनसार स्वभाव के मददगार भी होते हैं।

✷ नाभि बाहर की ओर उठी हो तो ऐसे लोग दांपत्यजीवन से ऊबते हैं, जिससे तलाक की स्थिति भी आ सकती है।

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

भारत के लिए चुनौतीपूर्ण

महासागर में शक्ति संतुलन बनाए रखने के लिए बीजिंग और नई दिल्ली, दोनों मालदीव को अपने प्रभाव क्षेत्र में रखने के लिए कृतसंकल्पित रहे हैं। इसका असर मालदीव की घरेलू राजनीति पर भी देखने को मिल रहा है।भारतीय उपमहाद्वीप के दक्षिण पश्चिम में स्थित इस द्वीपीय देश में मुइज्जू के राजनीतिक उभार से भारत की समस्याएं बढ़ रही हैं। दरअसल, मुइज्जू भारत की मालदीव में उपस्थिति को अनियंत्रित बता कर देश की सत्ता के शीर्ष पर आए हैं, और भारत विरोध की नीति के सहारे देश की संसद में पूर्ण बहुमत हासिल करने में कामयाब हो गए हैं। लेकिन अब मुइज्जू ने जिस प्रकार देश की संसद में भी बंपर बहुमत हासिल किया है, उससे लगता है कि उनके भारत विरोध और चीन परस्त नीतियों को जनता ने पसंद किया है। ऐसे में यह विचार लाजिमी है कि आखिर, मालदीव की जनता भारत जैसे विसनीय मित्र के खिलाफ जाकर चीन की कुटिल कर्जनीति में क्यों उलझना चाहती है, और इसके दूरगामी परिणाम भारत के लिए कितने चुनौतीपूर्ण हो सकते हैं।

जनसंख्या की लिहाज से बहुत छोटे इस इस्लाम बाहुल्य देश में पिछले कुछ वर्षो में परंपरावाद को उभारने की कोशिशें राजनीतिक फायदा देने वाली साबित हुई हैं।खाड़ी देशों में रोजगार के लिए जाने वाले मालदीव के हजारों नागरिकों की कथित धार्मिक अभिव्यक्ति को मुइज्जू ने वोट में बदलने में कामयाबी हासिल कर ली है। उन्होंने भारत से ऐतिहासिक जुड़ाव को नजरअंदाज कर बदलती परिस्थितियों में तुर्की, पाकिस्तान और सऊदी अरब की ओर रुख किया। फिलिस्तीन जैसे भावनात्मक मुद्दे को धार्मिक आधार पर उठाया तथा इस्लामिक आदर्शवाद पर आधारित नये मालदीव की परिकल्पना को राजनीतिक आधार पर जनता के सामने रखा। मुइज्जू ने संसद में संविधान में संशोधन के लिए आवश्यक दो तिहाई बहुमत हासिल कर लिया है। अर्थ यह कि वे राजनीतिक संस्थागत दृष्टिकोण से, सब कुछ नियंत्रित कर सकते हैं खासकर न्यायपालिका की शक्तियां भी प्रभावित हो सकती हैं। मालदीव में राजनीतिक उथल-पुथल का इतिहास रहा है। भारत समर्थक राजनीतिक दलों पर अंकुश लगाने के लिए मुइज्जू प्रमुख नेताओं को जेल में डाल सकते हैं।मुइज्जू ने सत्ता में आने के बाद चीन से मजबूत रिश्तों को तरजीह दी। वे अब तक नई दिल्ली नहीं आए हैं, बीजिंग की राजकीय यात्रा पर जाकर निवेश के लिए कई समझौतों पर हस्ताक्षर कर चुके हैं।

-डॉ. ब्रह्मदीप अलूनेहिन्द-

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

पावन पर्व अक्षय तृतीया महत्व

मोनिका डागा
आनंद,चेन्नई, तमिलनाडु

वैशाख माघ शुक्ल तृतीया तिथि है अति विशेष,
सूर्य व चंद्रमा करते अपनी उच्च राशियों में प्रवेश,
बनते हैं अनेकानेक शुभ महत्वपूर्ण राज वैभवशाली योग,
सुख, समृद्धि, ऐश्वर्य, धन, धान्य बरसाते अद्भुत संजोग ।
सतयुग व त्रेता युग का हुआ इस पवित्र तिथि प्रारंभ,
महाभारत के युद्ध का समापन व श्री गणेश जी द्वारा लेखन आरंभ ।
पावन तिथि अक्षय तृतीया को कहते हैं चिरंजीवी तिथि,
परशुराम,नर-नारायण, हयग्रीव विष्णु के अवतार प्रगटे इसी तिथि ।
कुबेर को मिला भगवान शिव की तपस्या कर धन का खजाना,
भगवान कृष्ण को मिला सुदर्शन चक्र और युधिष्ठिर को अक्षय पात्र सुहाना,
चीर हरण हुआ द्रोपदी का श्री कृष्ण ने बढ़ाया अक्षय अंबर,
बिहारी जी के श्री विग्रह चरणों के दर्शन होते पूरे दिन तिथि निरंतर ।
हिंदू व जैन धर्म में इस तिथि की है विशेष मान्यता,
देवी-देवताओं का करते हैं चंदन लेपित श्रृंगार प्रधानता,
माता महालक्ष्मी - विष्णु की भक्त जन करते हैं आराधना,
सच्ची श्रद्धा हो तो पूरी होती हैं हर मनोकामना ।
भक्त सुदामा को मिली इसी तिथि मित्र श्री कृष्ण से धन संपत्ति मिटा विपत,
इसी तिथि जैन धर्म के तीर्थंकर ऋषभ नाथ जी ने पूर्ण किया वरषि तप,
इसी तिथि को बद्रीनाथ और केदारनाथ धाम के खुलते कपाट हैं,
माता पार्वती तिथि की अधिष्ठात्री देवी बरसाती अमृत प्रसाद है ।
अपने धार्मिक ग्रंथो, पुराणों व संस्कृति का रख लो तुम मान,
ऋषि मुनियों की कठिन तपस्या से प्राप्त हुआ ये रहस्यमई ज्ञान,
स्वयं सिद्ध अनबूझा शुभ मुहूर्त निहित यह कृत प्रगादि तिथि है,
गृह प्रवेश, विवाह, व्यवसाय, विद्या आरंभ करने का सुअवसर है ।
इस तिथि पर हमारे शास्त्रों में बारह विशेष दान बताए गए हैं,
ये वस्त्र, धान, गुड़, तिल, स्वर्ण, चांदी, गो, कन्या, धन, नमक, शहद और भूमि है।
गेहूं, जौ, गुड का प्रसाद किया जाता है विशेषत इस तिथि वितरण,
दान, हवन, स्नान, पूजन कर बढ़ाएं जीवन में आनंद अक्षय पुण्य रहे स्मरण ।

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

विवश हूँ फिर भी

प्रतिभा पाण्डेय प्रति
चेन्नई तमिलनाडु

सबकी तमन्नाओं का तम दूर करती हूँ
हाँ मैं रोज अपनी कलम की
चश्मेबद्दूर करती हूँ।
ना जाने कौन सा वक्त खफा हो जाए,
सिलसिलेवार सिलसिला दफा हो जाए,
गीता की कसम
हर वक्त खाया करती हूँ,
आहत हो फिर चीखकर,
अपनी ही कसम चकनाचूर करती हूँ।
व्यक्त व्यक्तित्व का व्यक्ति महान,
जब व्यक्त करे तो लगे झूठ समान,
सच छिपाकर झूठ जाने कितने दिन रहेगा,
जख्म पुराने, जलन कितने दिन सहेगा,
झूठी शान पर सच से
तारीफदारी कर रही हूँ,
विवश हूँ फिर भी,
दम्भ को कोहिनूर कह रही हूँ।
अच्छा होकर भी
अच्छा सिमट कर रह गया,
पनपकर आडम्बर पूरा
का पूरा फैल गया,
हम नेकी करने में
खुद को भूल गए,
जूठन मेरा खाए, मेरा अध्याय
बदलने पर तुल गए
सब दरकिनार कर प्रकाशित
खुद को कर रही हूँ।
जिद्दी मुश्किलों से बेपनाह
मुहब्बत कर रही हूँ ।

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

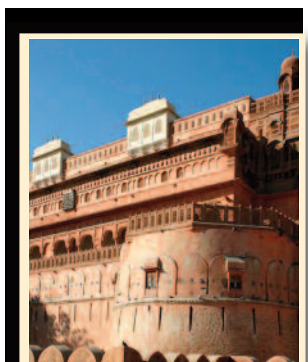

इस शहर के लोग

मईनुदीन कोहरी नाचीज़ बीकानेरी
बीकानेर,राजस्थान

कितने अलबेले मस्त हैं ,
बीकानेर शहर के लोग ।
गपशप पाटा तरी में जीते हैं ,
इस शहर के लोग।।
इस शहर की तासीर में ,
मिश्री सा अपनापन है ।
पल की संगत में अपनापन देते,
इस शहर के लोग।।
कितने भोले कितने अल्हड़ हैं
मरुधरा के ये लोग ।
अपनी मस्ती भी मस्त रहते हैं
इस शहर के लोग।।
वीर-धीर-गंभीर पराई पीर का ये
अलबेला है शहर ।
हर गली हर मोड़ पलके बिछाते
इस शहर के लोग ।।
सुरों की सरिता से भी सिंचित ,
इस शहर के लोग ।
स्वर लहरिया बिखेर रहे देश में
,इस शहर के लोग।।
जात-पांत-भेद से कोसों दूर है
इस शहर के लोग ।
तीज-त्यौहार आपस में मिल
मनाते,इस शहर के लोग।।
भाषा-साहित्य व संस्कृति से
लबरेज़ है यह शहर ।
अपने-अपने हुनर के धनी है ,
इस शहर के लोग ।।
भाईचारा अगर देखना है तो ,
बीकानेर आ के देखो ।
इंसानियत का पैगाम भी देते हैं ,
इस शहर के लोग ।।
नाचीज़ बिकानेरियत पर
हम सब नाज़ करते आए हैं ।
दुनियां में अमन-चैन की
मिशाल है ,इस शहर के लोग
फितने-फसाद से
कोसों दूर है मेरा शहर ।
अच्छे अच्छों का
उतर जाता है यहां जहर ।।

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

हे विप्रवर

व्यग्र पाण्डे,
गंगापुर सिटी राजस्थान

श्रीपरशुराम के वंशज सुनलो
आज समय विपरीत तुम्हारा
भीड़ निकट यद्यपि फिर भी
नहीं कोई भी मीत तुम्हारा ।
आज निरीह बेचारे हो तुम
भ्रम में जीना छोड़ना होगा
सोचना होगा दशा पर कुछ
रुख जगत का मोड़ना होगा ।
शस्त्र शास्त्र का त्याग किया
अब फिर इन्हें अपनाना होगा
एक हाथ फरसे को लेकर
दूसर वेद सजाना होगा ।
अंग जनेऊ मस्तक टीका
सिर पर चोटी रखनी होगी
भाषा से परिभाषित होकर
ज्ञान की चटनी चखनी होगी भक्ष-
अभक्ष का रखना होगा
ध्यान तुम्हें फिर से पंडितजी
पहनावा हो अपने लायक
फिर डर काहे का पंडितजी ।
संस्कार की पूंजी अबतक
विस्मृत जो कर डाली है
करनी होगी पुनः याद
विसरानी अब जो पाली है ।
ईर्ष्या द्वेष को तजना होगा
अगर विप्रवर बनना फिर से
आज नहीं कोई भी तेरा
मुक्ति पाना है उस डर से ।
प्रयास पहुंचाते मंजिल तक
अब तो कुछ तू करले प्यारे
रहा मार्गदृष्टा सदा सदा से
फिर क्यूं मग में पैर पसारे ।
त्याग-निद्रा जगजा फिर से
भोर हुई पंखी चह-चहाये
दिशाएं गाये मधुर प्रभाती
व्यग्र लेखनी तुझे सुझाये ।

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

शांतिपूर्ण मतदान संपन्न,सरगुजा संसदीय सीट के लिए 78.78 प्रतिशत वोटिंग

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 07 मई 2024
(घटती-घटना)।

लोकसभा चुनाव के तीसरे चरण का मतदान मंगलवार को संपन्न हो गया। सरगुजा संसदीय क्षेत्र के 8 विधानसभा सीट पर लगभग 78.78 प्रतिशत वोटिंग हुई। सरगुजा जिले की तीनों विधानसभा में 75 प्रतिशत से ज्यादा वोटिंग हो चुकी है। विधानसभा क्षेत्र लुण्ड्रा में 83.1 प्रतिशत वोटिंग हुई है। इसी तरह विधानसभा क्षेत्र अम्बिकापुर में 74 प्रतिशत और विधानसभा क्षेत्र सीतापुर में 78.69 प्रतिशत वोटिंग हुई है।

मतदाताओं की सुविधा के लिए सभी मतदान केंद्रों में आवश्यकता व्यवस्थाएं की गई थीं। गर्मी के मौसम को ध्यान में रखते हुए पेयजल, शरबत, शेड आदि की व्यवस्था की गई थी। वहीं मेडिकल सुविधा के लिए, ओआरएस कॉर्नर बनाया गया तथा मेडिकल टीम की ड्यूटी भी लगाई गई, जिसमें मतदाताओं को बीपी जांच के साथ आवश्यक दवाइयां दी गई। वोट डालने आए बुजुर्ग,दिव्यांग एवं गर्भवती महिलाओं को मतदान हेतु प्राथमिकता दी गई। वहीं आदर्श मतदान केंद्रों में की गई विशेष साज-सज्जा आकर्षण का केंद्र बने रहे। केन्द्रों में बनाए गए सेल्फी जोन में मतदाताओं ने फ़ोटो लेकर वोट डालने की अपनी खुशी जाहिर की। मतदाताओं को सहयोग प्रदान करने मतदाता मित्र के रूप में एनएसएस व स्काउट गाइड के कैडेट्स ने भी मतदान केंद्रों में दिव्यांग,वरिष्ठ नागरिकों तथा शारीरिक रूप से अक्षम मतदाताओं की सहायता की। व्हील चेयर, पेयजल, प्राथमिक स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराने में सहयोग प्रदान किया। मतदान के दौरान ये बच्चे मतदान केंद्रों में जरूरतमंद मतदाताओं को व्हीलचेयर से केंद्र तक लाते नजर आए, बच्चों ने सेवाभावना के साथ पूरी निष्ठा के साथ मतदाताओं का सहयोग किया।

मतदाता मित्र की भूमिका पर मतदाता मित्र श्रेया और माही ने मतदान दिवस पर लोगों की मदद करने का अनुभव साझा किया। श्रेया 17 साल की हैं और माही की उम्र 16 साल हैं। लोकतंत्र के इस पर्व पर इस तरह अपनी हिस्सेदारी निभाकर वे बेहद खुश हैं। उन्होंने कहा कि 18 वर्ष का होने के बाद वे जरूर मतदान करेंगी। निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार दिव्यांग एवं वरिष्ठ मतदाताओं को मांगे जाने पर निःशुल्क परिवहन व्यवस्था दिव्यांग रथ एवं पीवीटीजी समुदाय के मतदाताओं को मतदाता रथ की सुविधा दी गई। मांग करने पर मतदाताओं के घर ये रथ पहुंचे और उनके आवास स्थल से मतदान केन्द्र तक लाने एवं मतदान पश्चात वापस उनके आवास स्थल तक छोडने़ का कार्य किया गया। इस सुविधा के माध्यम से मतदाताओं ने उत्साहपूर्वक मतदान किया।

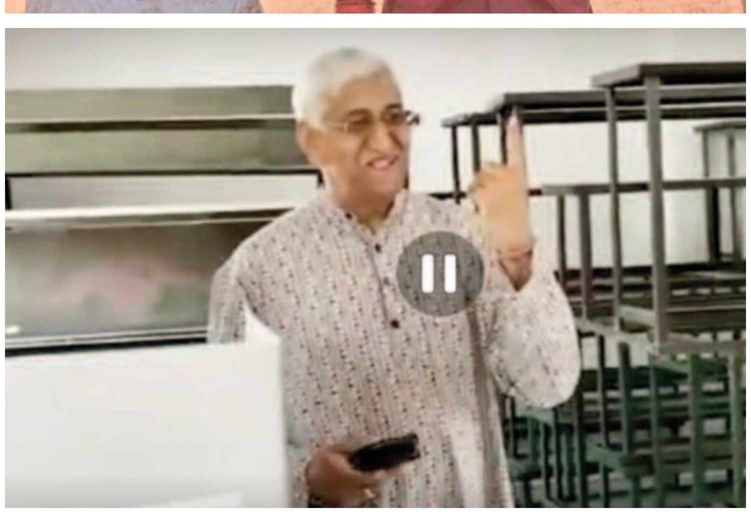

विवाह के बाद मतदान

लखनपुर विकासखंड के ग्राम भरतपुर निवासी रामेश्वर राजवाड़े की शादी गणेश्वरी राजवाड़े से सोमवार को हुई है। रामेश्वर ने शादी कर घर पहुंचने के बाद सबसे पहले मंगलवार को संगवारी मतदान केन्द्र भरपुर पहुंचकर पत्नी के साथ मतदान किया। इस दौरान मतदान कर्मियों मतदान करने पहुंचे नव दंपत्ति का स्वागत किया।

लोकनर्तक दलों ने मांदर पर थाप देते हुए किया स्वागत

अंबिकापुर में मतदाताओं को मतदान हेतु प्रोत्साहित करने केंद्रों में कई तरह की सुंदर सजावट और नवाचार किए गए थे। अंबिकापुर विधानसभा अंतर्गत उदयपुर के विशेष पिछड़ी जनजाति पहाड़ी कोरवा थीम पर केंद्रित मतदान केंद्र मरेया में मतदान करने लोगों की भीड़ पहुंची। सुंदर आदिवासी संस्कृति का निर्वाह करते हुए यह लोक कलाकारों द्वारा गीत संगीत के साथ मतदाताओं का स्वागत किया गया। इसी तरह मांदर पर थाप देते और सुंदर नृत्य करते दलों द्वारा आदर्श और संगवारी मतदान केंद्र मोहनपुर 2, उदयपुर में मतदाताओं का स्वागत किया गया। मतदाता भी झूमते हुए खुशी से मतदान केंद्र पहुंचे। यह मतदान केंद्र रामगढ़ स्थित सीता बेंगरा गुफा की थीम पर बनाया गया है।

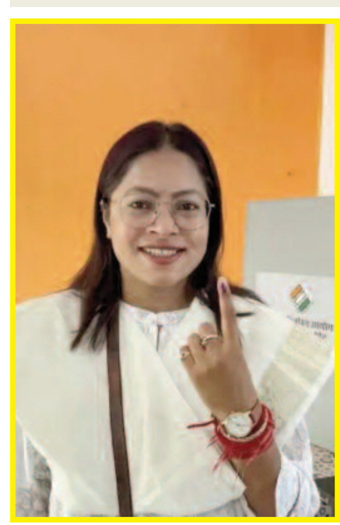

कमिश्नर,आईजी, कलेक्टर व एसपी ने किया मतदान

सरगुजा संभागायुक्त जीआर चुरेंद्र ने पत्नी तारा देवी के साथ जिला उद्योग केन्द्र स्थित मतदान केन्द्र पर पहुंचकर मतदान किया। कलेक्टर विलास भोस्कर संदीपान ने पत्नी प्रीति के साथ मतदान केन्द्र पहुंचकर मतदान किया। इसके अलावा आईजी अंकित गर्ग,एसपी विजय अग्रवाल ने भी अपने मताधिकार का प्रयोग किया।

घोड़े पर सवार होकर,पहाड़ी रास्तों पर चलकर,नदी पार कर पहुंचें मतदान करने

- संवाददाता -
बलरामपुर,07 मई 2024
(घटती-घटना)।

लोकसभा निर्वाचन 2024 में 07 मई मतदान दिवस जिले में विभिन्न प्रकार की अनोखी तस्वीरें निकलकर आयी,जो की लोकतंत्र के महापर्व में लोगों के लिए कौतूहल पूर्ण रहा। जिसके अंतर्गत विधानसभा 07-रामानुजगंज के ग्राम सागरपुर के मतदान केन्द्र क्रमांक 178 में देखने को मिला। जिसमें सागरपुर निवासी मतदाता परिमल डे आधुनिकता की चकाचौंध दुनिया से परे हटकर घोड़े पर सवार होकर मतदान करने आये। उन्होंने मतदान कर लोगों को अवश्य मतदान करने का संदेश भी दिया।

परिमल डे एक पशुपालक हैं, उनके पास करीब 150 से अधिक बकरियां है और वे घोड़े पर ही सवार होकर अपने बकरियों को चराते हैं। इस तरह घोड़े पर सवार होकर मतदान करने मतदान केन्द्र पर पहुंचना लोगों के बीच चर्चा का विषय रहा। ''लहरों से डरकर नौका पार नहीं होती कोशिश करने वालों की हार नही होती'' इस वाक्यांश को चरितार्थ करते हुए विकासखण्ड बलरामपुर के ग्राम पंचायत बचवार के ग्रामीण पहाड़ी दूर्गम रास्तों पर 08 किलोमीटर पैदल चलकर मतदान केन्द्र पहुंचकर लोकतंत्र के महापर्व में शामिल होने पहुंचे। उन्होंने मतदान कर यह संदेश दिया कि मतदान करना हर नागरिक का अधिकार है, इसलिए मतदान अवश्य करना चाहिए।

इसी प्रकार विधानसभा 08-सामरी के विकासखण्ड शंकरगढ़ के ग्राम पंचायत अमेरा में भी मतदाताओं ने नदी पार कर मतदान करने मतदान केन्द्र पहुंचे। ग्राम अमेरा के विशेष पिछड़ी जनजाति समुदाय के ग्रामीणों ने मत देकर जागरूकता का संदेश दिया।

लवईडीह बूथ में 85 प्रतिशत से अधिक वोटिंग

अम्बिकापुर के ग्राम लवईडीह में मतदान दिवस पर अब तक 85 प्रतिशत तक मतदान दर्ज किया गया है। गौरतलब है कि ग्रामीणों द्वारा विभिन्न मांगों को लेकर लोकसभा निर्वाचन में हिस्सा ना लिए जाने की बात कही जा रही थी जिसे संज्ञान में आते ही कलेक्टर विलास भोसकर के निर्देश पर प्रशासनिक टीम गांव पहुंची थी और ग्रामीणों से मिलकर उन्हें समझाइश दी गई जिसके बाद ग्रामीणों ने भी मतदान के लिए सहमति दी। आज मतदान दिवस पर ग्रामीणों द्वारा मतदान किया गया है। प्राप्त जानकारी अनुसार लवईडीह बूथ क्रमांक 180 में कुल 503 मतदाता दर्ज हैं। इनमें से 430 मतदाता मतदान कर चुके हैं। अब तक यहां 85.48 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया है।

मतदान कराकर वापस लौटे दल का किया गया स्वागत

शाम 6 बजे मतदान शांतिपूर्ण संपन्न हो गया। इसके साथ ही मतदान दलों के वापस लौटने का सिलसिला शाम सात बजे के बाद शुरू हो गया। जो देर रात तक चलता रहा। लुण्ड्रा से प्राथमिक शाला रामनगर 31 मतदान दल ने सबसे पहले सकुशल वापसी की है। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी विलास भोसकर,पुलिस अधीक्षक विजय अग्रवाल, उप जिला निर्वाचन अधिकारी सुनील नायक,सीईओ जिला पंचायत नूतन कंवर ने सर्वप्रथम लौटे मतदान दल का गुलाब का फूल देकर स्वागत किया और निष्ठा के साथ कर्तव्य निर्वहन पर सराहना की और बधाई दी।

इस्राइल ने ठुकराया शांति समझौता

रक्षा मंत्री बोले,बंधकों को रिहा नहीं किया तो राफा में और भयानक करेंगे हमला

तेल अवीव,07 मई 2024। इस्राइल और हमास के बीच लंबे समय से युद्ध जारी है। इस बीच मंगलवार को इस्राइल के रक्षा मंत्री योव गैलेंट ने कहा कि अगर हमास ने समझौते के तहत हमारे बंधकों को रिहा नहीं किया तो मैं कसम खाता हूं कि इस्राइल राफा में और अधिक भयानक हमले करेगा। गौरतलब है कि एक दिन पहले, हमास ने शांति समझौते के प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया था। हालांकि,इस्राइल ने इस प्रस्ताव को ठुकरा दिया।

इस्राइल ने कहा...प्रस्ताव हमारी मांगों पर आधारित नहीं

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, इस्राइल ने सोमवार देर रात राफा में अपनी सेना भेजी और सीमा पर कब्जा कर लिया। रक्षा मंत्री गैलेंट ने मंगलवार को राफा का दौरा किया। उन्होंने अपने सैनिकों से मुलाकात की। उन्होंने कहा कि इस्राइल जब तक राफा और गाजा में हमास को खत्म नहीं कर देता, तब तक अभियान जारी रहेगा। शांति प्रस्ताव को ठुकराने का कारण बताते हुए इस्राइल ने कहा कि यह प्रस्ताव उनकी मांगों पर आधारित नहीं है। हालांकि, अपने नागरिकों की रिहाई के लिए उन्होंने अपनी सहमति जताते हुए कहा कि हम सिर्फ रिहाई के लिए समझौता करने को तैयार हैं।

सात अक्तूबर से जारी है युद्ध

गौरतलब है कि सात अक्तूबर की सुबह हमास द्वारा करीब 5000 रॉकेट इस्राइली शहरों पर दागे गए थे। जिसके बाद से दोनों पक्षों में युद्ध जारी है। इस्राइल ने इस हमले को आंतकी हमला करार दिया है। इस्राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कमस खाई है कि वह जब तक हमास को पूर्ण रूप से खत्म नहीं कर देते, तब तक वे युद्ध विराम नहीं करेंगे।

राफा पर हमले को लेकर कई बार आगाह कर चुका है अमेरिका

वहीं, अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने सोमवार को इस्राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से बात की थी और राफा को लेकर चिंता जाहिर की थी। अमेरिका सहित इस्राइल के अन्य करीबी सहयोगियों ने कई बार कहा है कि इस्राइल को राफा पर हमला नहीं करना चाहिए। बता दें,राफा में करीब 1.4 मिलियन फलस्तीनियों ने शरण ले रखी थी। शांति समझौते के प्रस्ताव का नेतृत्व कर रहे कतर ने भी कई बार कहा था कि राफा पर हमला होने से संघर्ष विराम के प्रयास पटरी से उतर जाएंगे।

हमास के भयानक हमले को भूल रहे कई लोग,राष्ट्रपति बाइडन ने याद दिलाई सात अक्तूबर की रात

वॉशिंगटन, 07 मई 2024। अमेरिका के अलग अलग विश्वविद्यालयों में फलस्तीन के समर्थन में चल रहे प्रदर्शनों के बीच अमेरिका के राष्ट्रपति ने कहा कि अमेरिका को लोग प्रलय की भयावहता की अनदेखी कर रहे हैं। बाइडन ने साफ किया कि अमेरिका में किसी भी परिसर में या स्थान पर इस्राइल या यहूदी विरोधी भावना के लिए कोई जगह नहीं है। उन्होंने चेतावनी दी कि सरकारी संपत्ति को नष्ट करना शांतिपूर्ण विरोध नहीं बल्कि कानून के खिलाफ है।

राष्ट्रपति बाइडन ने याद दिलाई सात अक्तूबर की रात

बाइडन ने याद दिलाया कि 7 अक्टूबर की रात को हमास ने अचानक इस्राइल पर हमला किया था, जिसमें 1,200 लोगों की मौत हो गई और 250 लोगों को बंधक बना लिया गया। इस्राइल के अधिकारियों का मानना है कि गाजा में लगभग 130 से अधिक लोग कैद में हैं और इनकी सटीक संख्या जानना मुश्किल है। इस्राइल ने भी गाजा पट्टी पर व्यापक कार्रवाई कर इन हमलों का जवाब दिया था। जिसके बाद एक रिपोर्ट में कहा गया कि युद्ध शुरू होने के बाद से गाजा पट्टी पर इस्राइली हमलों में 34,789 फलस्तीनी मारे गए हैं। बाइडन ने कहा कि लोग भूल रहे हैं कि यह आतंक हमास ने फैलाया है।

अमेरिका में अलग-अलग विश्विद्यालयों में हो रहे प्रदर्शन

गाजा पर की गई इस्राइल की जवाबी कार्रवाई के बाद से अमेरिका के कई कॉलेज परिसर तनाव का केंद्र बन गए हैं। इसकी शुरुआत 18 अप्रैल को कोलंबिया विश्वविद्यालय से हुई। इसके बाद इसी तरह के प्रदर्शन न्यूयॉर्क विश्वविद्यालय, प्रिंसटन, एमर्सन कॉलेज और दक्षिणी कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय में भी देखने को मिले। बाइडन ने कहा 'भले ही इस्राइल और हमास के संघर्ष को लेकर हम असहमत हों लेकिन इस्राइल और यहूदियों की सुरक्षा के प्रति हम प्रतिबद्ध हैं।'

टिकटॉक ने अमेरिकी सरकार के प्रतिबंध लगाने वाले कानून को दी चुनौती,पिछले महीने बाइडन ने किए थे हस्ताक्षर

न्यूयॉर्क,07 मई 2024। सोशल मीडिया मंच टिकटॉक और उसकी मूल कंपनी बाइटडांस ने मंगलवार को अमेरिका की संघीय सरकार के खिलाफ मुकदमा दायर किया। कंपनी ने हिस्सेदारी बेचने के लिए मजबूर करने या प्रतिबंध के दायर में दायरे में लाने वाले कानून को चुनौती दी। इस कानून पर पिछले महीने राष्ट्रपति जो बाइडन ने हस्ताक्षर किए थे। यह मुकदमा अमेरिका में टिकटॉक के भविष्य पर एक लंबी कानूनी लड़ाई की वजह बन सकता है।

शॉर्ट वीडियो के लिए मशहूर मंच टिकटॉक ने इस कानून को स्पष्ट रूप से असंवैधानिक बताया। इस कानून में प्रावधान है कि टिकटॉक की मूल कंपनी बाइटडांस को नौ महीने के भीतर अपना मंच बेचना होगा। अगर बिक्री की दिशा में पहले से कोई प्रयास जारी है, तो कंपनी को सौदा पूरा करने के लिए तीन महीने की अतिरिक्त मोहलत मिलेगी।

हालांकि बाइटडांस का कहना है कि उसकी टिकटॉक को बेचने की कोई योजना नहीं है। लेकिन बेचने की मंशा होगी भी तो उसे चीन की कम्युनिस्ट पार्टी की सरकार से मंजूरी लेनी होगी। चीन पहले भी मंच की जबरन बिक्री का विरोध कर चुका है। टिकटॉक अमेरिका और चीन के व्यापार संबंधों की रणनीतिक प्रतिद्वंद्विता का एक जरिया बन गया है।

जवाहरनगर में मतदान करने आए ग्रामीणों पर मधुमखियों का हमला,5 घायल

- संवाददाता -
अंबिकापुर,07 मई 2024 (घटती-घटना)।

बलरामपुर जिले के जनपद पंचायत कुसमी के ग्राम पंचायत जवाहरनगर में मतदान करने आए ग्रामीणों पर मधुमखियों के झुंड ने हमला कर दिया। घायल ग्रामीणों को तत्काल उपचार के लिए सामुदायिक

» कुसमी ग्राम पंचायत के जवाहरनगर पोलिंग बूथ क्र. 224 की घटना

स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया,

मतदाताओं के बीच रहा अफरा-तफरी का माहौल

जहां इलाज के बाद सभी हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है।

जानकारी अनुसार कुसमी ग्राम पंचायत के ग्रामीण मतदान करने जवाहरनगर पोलिंग बूथ क्र. 224 में दोपहर में मतदान करने पहुंचे उसी वक्त पास के एक पेड़ पर लगे मधुमखियों के छत्ते से मधुमखियों ने अचानक उनपर हमला कर दिया। मधुमखियों के हमले से केंद्र में अफरा तफरी मच गई। जल्द ही मौके पर स्वास्थ्य टीम ने त्वरित इलाज करते हुए सभी घायलों को नजदीकी अस्पताल दाखिल कराया। मधुमखियों के हमले में 5 ग्रामीण घायल हुए हैं, सभी की हालत प्राथमिक उपचार के बाद सामान्य बताई जा रही है। कुसमी का यह मतदान केंद्र भाजपा सांसद प्रत्याशी चिंतामणि महराज के बगल के बगल के गांव का है।

मां और भाई के साथ मतदान कर वापस लौट रही युवती की गाज से मौत...सरगुजा के रघुनाथपुर चौकी इलाके में हुआ हादसा...

- संवाददाता -
अंबिकापुर,07 मई 2024 (घटती-घटना)।

लोकसभा चुनाव के तहत सरगुजा संसदीय सीट के लिए आज 7 मई को हुए मतदान के बीच रघुनाथपुर चौकी क्षेत्र में आकाशीय बिजली की चपेट में आ जाने से मतदान कर वापस मां और भाई के साथ वापस घर लौट रही 20 वर्षीया युवती कबूतरी की मौत हो गई। मृतिका की मां थूरी बाई निवासी कोट ने बताया कि वह पुत्र प्रकाश और पुत्री कबुतरी के साथ कोट मिडील स्कुल मतदान करने के लिये करीब 3.00 बजे घर से निकले थे हम तीनो लोग बोट डाल कर घर वापस जा रहे थे उसी समय आंधी तुफान व बादल गरज रहा था और हल्का हल्का बुंदा बादी हो रही थी । सतीटीकरा के पास पहुंचे थे उसी समय आकाशीय बिजली कडकने लगी हवा तेज चल रही थी अंधेरा जैसा हो गया था। मेरी पुत्री आगे आगे चल रही थी मैं और लडका उसके पीछे चल रहे थे उसी समय आकाशीय बिजली पुत्री के उपर गिरा जिससे वह मेढ पर गिर गई और झटका लगने पर मैं भी गिर गई । मेरा बडा पुत्र आया और वाहन से कबुतरी को ले कर ईलाज के लिये मिशन अस्पताल ले गए जहां डाक्टर ने पुत्री कबूतरी को मृत घोषित कर दिया।

स्कूटी सवार महिला,बहू व पोते की हत्या करने युवक ने चढ़ा दी थी कार, सीसीटीवी फुटेज देख कांप जाएगी रूह

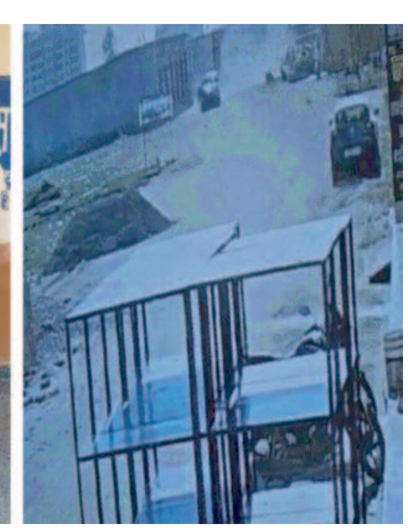

- संवाददाता -
अंबिकापुर,07 मई 2024 (घटती-घटना)।

साढ़े 3 माह पूर्व तेज रफ्तार कार सवार युवक ने स्कूटी सवार महिला, उसकी बहू व मासूम पोते को टक्कर मार दी थी। इसमें तीनों गंभीर रूप से घायल हो गए थे। मामले की रिपोर्ट परिजनों द्वारा कोतवाली में दर्ज कराई गई थी। घटनास्थल के आस-पास लगे सीसीटीवी फुटेज को देखने के बाद पुलिस ने आरोपी युवक के खिलाफ हत्या का प्रयास का मामला दर्ज कर मंगलवार को जेल भेज दिया है। दरअसल घटना से एक दिन पूर्व महिला ने युवक को कार धीरे चलाने की समझाइश दी थी। इस दौरान युवक ने उसे देख लेने की धमकी दी थी। इसके अगले ही दिन युवक ने हत्या करने की नीयत से कार से उन्हें कुचलने का प्रयास किया था।

शहर के हॉस्पिटल रोड मणिपुर निवासी सुभाषचंद्र अग्रवाल की पत्नी ओमनी अग्रवाल, बहू व मासूम पोता को 15 जनवरी को सफारी स्टॉर्म कार क्रमांक सीजी 15 डीई-5101 ने टक्कर मार दी थी। इसमें तीनों गंभीर रूप से घायल हो गए थे।

रिपोर्ट पर पुलिस ने कार चालक सूरजपुर जिले के ग्राम तेलईकछार, केनापारा हाल मुकाम कुंडला सिटी अंबिकापुर निवासी नवीन गुप्ता 23 वर्ष के खिलाफ धारा 279, 337 के तहत अपराध दर्ज कर मामले की विवेचना कर रही थी। इसी बीच पीड़ित परिवार ने घटनास्थल के आस-पास के घरों में लगे सीसीटीवी फुटेज पुलिस को सौंपा।

पीड़ित परिवार के बयान व सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पुलिस ने पाया कि युवक द्वारा हत्या की नीयत से जान-बूझकर उन्हें कुचलने का प्रयास किया गया था। इस मामले में पुलिस ने साढ़े 3 माह बाद आरोपी के खिलाफ धारा 307 के तहत अपराध दर्ज कर जेल भेज दिया है।

आरोपी ने एक दिन पूर्व ही दी थी धमकी

कार की टक्कर से घायल पीड़िता ओमनी अग्रवाल ने अपने बयान में बताया कि 14 जनवरी को उसने आरोपी को तेज कार चलाते देख सावधानी पूर्वक ड्राइव करने की समझाइश दी थी। इससे गुस्साए युवक ने उसे देख लेने की धमकी दी थी।

दूसरे ही दिन उसने देखा कि महिला अपनी बहू व पोते के साथ स्कूटी पर जा रही है तो प्लान के अनुसार उसने सामने से तेज रफ्तार में आकर हत्या की नीयत से उन्हें कुचलने का प्रयास किया था।

मां-बेटे की संदिग्ध हालत में फांसी पर लटकी मिली लाश,इलाज के नाम पर निकली थी महिला, जबकि बेटा गया था नानी के घर

- संवाददाता -
रामानुजगंज,07 मई 2024 (घटती-घटना)।

बलरामपुर-रामानुजगंज जिले के सनावल थाना क्षेत्र अंतर्गत पचावल गांव में मां-बेटे का फांसी पर लटका शव मिलने से सनसनी फैल गई है। मामला आत्महत्या का है या हत्या के बाद दोनों का शव फांसी पर लटकाया गया है,इसकी जांच पुलिस कर रही है। घटना से जुड़े जो तथ्य सामने आए हैं, उससे मामला संदिग्ध प्रतीत हो रहा है। मृतका की मां ने दामाद व ससुराल वालों पर हत्या का आरोप लगाया है। उसका कहना है कि दामाद उसके चरित्र पर शक करता था और कहा था कि उसकी हत्या कर देगा।

पचावल गांव से लगे जंगल में सोमवार को महुआ बीनने गए ग्रामीणों ने एक महुआ के पेड़ पर महिला एवं किशोर का शव फांसी पर झूलता देखा। शव पचावल निवासी लक्ष्मी यादव उम्र 36 वर्ष एवं उसके पुत्र आशीष यादव उम्र 14 वर्ष की थी। मौके पर पहुंचे परिजन ने शवों को फांसी के फंदे से उतार लिया था।

पुलिस जांच में पता चला कि मृतका लक्ष्मी यादव 29 अप्रैल को इलाज कराने के नाम से घर से निकली थी। वहीं उसका पुत्र आशीष यादव 27 अप्रैल को नाना के यहां जाने के नाम पर निकला था। दोनों वापस नहीं लौटे थे। सोमवार सुबह दोनों का शव गांव के बाहर फांसी के फंदे पर झूलता मिला।

परिजन के अनुसार लक्ष्मी का मोबाइल खराब हो गया था और उससे संपर्क नहीं हुआ था। पुलिस जांच में पता चला है कि लक्ष्मी यादव अपने पति हृदय नारायण यादव की दूसरी पत्नी थी। हृदय नारायण यादव की पहली पत्नी से 2 बच्चे थे, जिनमें छोटे बेटे ने पिछले वर्ष फांसी लगा ली थी।

बड़े बेटे का विवाह एक माह पूर्व हुआ है। फांसी पर झूलता मिला आशीष लक्ष्मी यादव का बड़ा बेटा था। उसका छोटा बेटा 10 वर्ष का है जो अपने नाना-नानी के पास था।

मृतका की मां ने हत्या का लगाया आरोप

मृतका की मां मानमति यादव का कहना है कि उसकी पुत्री एवं दामाद का पहले से विवाद चल रहा था। दामाद उसके चरित्र पर संदेह करता था। दामाद ने फोन कर कहा था कि वह उसकी हत्या कर देगा। मानमति ने कहा कि दोनों की हत्या कर शव को फांसी के फंदे पर लटकाया गया है।

मानमति ने कहा कि लक्ष्मी स्वयं आत्महत्या कर सकती है लेकिन वह बच्चे को फांसी के फंदे पर नहीं लटका सकती। साक्ष्य छिपाने के लिए लडक़े की भी हत्या कर दोनों के शवों को लटका दिया गया है।

मामले की कर रहे हैं जांच

सनावल थाना प्रभारी अजय साहू ने कहा कि दोनों शवों का पोस्टमार्टम रिपोर्ट मिलने के बाद पता चल सकेगा कि उनकी मौत की कारण क्या है। मृतका की मां ने हत्या का आरोप लगाया है। पुलिस सभी पहलुओं पर जांच कर रही है।

सरगुजा पुलिस द्वारा जारी अभियान 'ऑपरेशन विश्वास' के तहत शादी का झांसा देकर जबरन अनाचार करने के मामले मे आरोपी कों चंद घंटे मे किया गया गिरफ्तार

- संवाददाता -
अंबिकापुर,07 मई 2024 (घटती-घटना)।

सरगुजा पुलिस द्वारा जारी अभियान ऑपरेशन विश्वास के तहत आपराधिक गतिविधियों मे संलिप्त संदेहियो/आरोपियों पर लगातार सख्ती से कार्यवाही की जा रही हैं, इसी क्रम मे मामले का संक्षिप्त विवरण इस प्रकार हैं कि प्रार्थिया द्वारा दिनांक 06/05/24 कों थाना उदयपुर आकर रिपोर्ट दर्ज कराया गया कि प्रार्थिया घटना दिनांक 07/01/24 कों प्रार्थिया कपड़ा

» थाना उदयपुर पुलिस टीम द्वारा मामले मे आरोपी के विरुद्ध की गई सख्त वैधानिक कार्यवाही

» महिला सम्बन्धी अपराधों मे शामिल आरोपियों के विरुद्ध सरगुजा पुलिस द्वारा की जा रही लगातार सख्त कार्यवाही

सिलवाने के लिए बाहर गयी हुई थी, जो वापस घर आते समय जंगल के पास सुनसान स्थान पर लक्ष्मणगढ़ उदयपुर निवासी गुड्डन राम द्वारा द्वारा प्रार्थिया कों बहला फुसला कर शादी करने का झांसा देकर प्रार्थिया के साथ जबरन दुष्कर्म किया गया है, घटना दिनांक के पश्चात से लगातार 02 माह तक आरोपी द्वारा प्रार्थिया से जबरन दुष्कर्म की घटना कारित किया गया हैं, और अब आरोपी गुड्डन राम प्रार्थिया कों अकेला छोड़कर चला गया हैं, मामले मे प्रार्थिया के रिपोर्ट पर थाना उदयपुर मे अपराध क्रमांक 100/24 धारा 376 (2) (एन), 506 भा.द.वि. का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना मे लिया गया।

दौरान विवेचना पुलिस टीम द्वारा मामले के आरोपी का पता तलाश किया जा रहा था, पुलिस टीम के सतत प्रयास से मामले के आरोपी की घेराबंदी कर पकड़कर पूछताछ किया गया, जो आरोपी द्वारा अपना नाम गुड्डन राम उम्र 21 वर्ष साकिन लक्ष्मणगढ़ उदयपुर का होना बताया,आरोपी से घटना के सम्बन्ध मे पूछताछ किये जाने पर अपराध घटित किया जाना स्वीकार किया गया, आरोपी के विरुद्ध अपराध सबूत पाये जाने से गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा मे भेजा जाता हैं।

सम्पूर्ण कार्यवाही मे थाना प्रभारी उदयपुर निरीक्षक कुमारी चंद्राकर, प्रधान आरक्षक राजनाथ, महिला आरक्षक प्रियंका तिर्की, आरक्षक देवेंद्र सिंह, अजय शर्मा शामिल रहे।

इंजीनियरिंग में बेस्ट आप्शंस

स्टूडेंट्स के बीच इंजीनियरिंग हमेशा से हॉट सब्जेक्ट रहा है, क्योंकि बैचलर ऑफ इंजीनियरिंग के बाद करियर के कई ऑप्शंस खुल जाते हैं। कोर्स कंप्लीट करने के बाद इंडियन इंजीनियरिंग सर्विस, पीएसयू, प्राइवेट सेक्टर में शानदार जॉब हासिल कर सकते हैं। अगर आप इंजीनियरिंग में एडमिशन लेने जा रहे हैं, तो जानें यहां आपके लिए क्या बेस्ट ऑप्शंस हैं..

एग्रीकल्चर इंजीनियरिंग

एग्रीकल्चर इंजीनियरिंग में एडमिशन के लिए 12वीं में साइंस सब्जेक्ट यानी फिजिक्स, केमिस्ट्री, मैथमेटिक्स/ बायोलॉजी जैसे सब्जेक्ट होने चाहिए। अधिकतर एग्रीकल्चर इंस्टीट्यूट और यूनिवर्सिटी एग्रीकल्चर इंजीनियर के बीई/बीटेक प्रोग्राम्स में एडमिशन के लिए एंट्रेंस टेस्ट का आयोजन करती है। इस कोर्स की अवधि चार वर्ष की होती है। इसमें डिप्लोमा कोर्स भी किया जा सकता है। कुछ संस्थानों में एडमिशन बारहवीं के अंक के आधार पर भी होता है। आज इस फील्ड में अवसर भी कम नहीं है। स्किल्ड प्रोफेशनल्स प्रोडक्शन, सेल्स, मैनेजमेंट, रिसर्च आदि फील्ड में जॉब की तलाश कर सकते हैं।

एयरोनॉटिकल इंजीनियरिंग

12वीं साइंस (मैथ्स) के स्टूडेंट्स बीई/बीटेक एयरोनॉटिकल इंजीनियरिंग कोर्स में एडमिशन ले सकते हैं या एयरोनॉटिक्स में डिप्लोमा भी कर सकते हैं। विभिन्न कॉलेजों और आईआईटीज में एयरोनॉटिक्स में डिग्री और पोस्ट ग्रेजुएट डिग्री कोर्स उपलब्ध है। कई पॉलिटेक्निक्स द्वारा एविएशन में डिप्लोमा कोर्स कराए जाते हैं। देश में कुछ संस्थान एविएशन में पोस्ट ग्रेजुएट (एमटेक) और डॉक्टोरल प्रोग्राम (पीएचडी) भी कराते हैं। एयरोनॉटिकल इंजीनियरिंग का बीई/ बीटेक कोर्स चार साल का होता है, जबकि डिप्लोमा कोर्स की अवधि दो-तीन साल होती है। एयरोनॉटिकल इंजीनियर गवर्नमेंट और प्राइवेट एयरलाइंस में जॉब की तलाश कर सकते हैं। इसके अलावा, नेशनल एयरोनॉटिकल लैब, एयरोनॉटिकल डेवलपमेंट ऑर्गनाइजेशन, इसरो आदि में भी जॉब पा सकते हैं।

ऑटोमोबाइल इंजीनियरिंग

इन दिनों ऑटोमोबाइल इंजीनियर्स की डिमांड काफी बढ़ गई है। आप आईआईटी (गुवाहाटी) से बीटेक इन डिजाइनिंग (चार वर्षीय) का कोर्स कर सकते हैं। नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन (एनआईडी) अहमदाबाद, इंडस्ट्रियल डिजाइनिंग में चार वर्षीय प्रोग्राम ऑफर करती है। इन सभी कोर्स में 12वीं (पीसीएम) के बाद जेईई मेन्स और एडवांस क्वालिफाई करके एडमिशन लिया जा सकता है। आईआईटी, दिल्ली से इंडस्ट्रियल डिजाइनिंग में मास्टर डिग्री (दो वर्षीय) हासिल कर सकते हैं। आईआईटी, कानपुर भी इंडस्ट्रियल डिजाइनिंग में दो वर्षीय मास्टर डिग्री कोर्स कराती है। इसके अलावा, इंडस्ट्रियल डिजाइन सेंटर, आईआईटी-मुंबई से इंडस्ट्रियल डिजाइनिंग में मास्टर डिग्री (दो वर्षीय) प्राप्त कर सकते हैं।

जेनेटिक इंजीनियरिंग

इस कोर्स में एंट्री के लिए 12वीं बायोलॉजी, केमिस्ट्री और मैथ्स से पास होना जरूरी है। इस समय अधिकतर यूनिवर्सिटी और इंस्टीट्यूट में जेनेटिक इंजीनियरिंग के लिए अलग से कोर्स ऑफर नहीं किया जाता है, लेकिन इसकी पढ़ाई बायोटेक्नोजी, माइक्रोबायोलॉजी और बायोकेमिस्ट्री में सहायक विषय के रूप में होती है। बायोटेक्नोलॉजी के अडंर ग्रेजुएट और पोस्टग्रेजुएट में जेनेटिक इंजीनियरिंग में स्पेशलाइजेशन कर सकते हैं। गेजुएट कोर्स, बीई/बीटेक में एंट्री प्रवेश परीक्षा के आधार पर होती है। जेनेटिक इंजीनियर के लिए भारत के साथ-साथ विदेश में भी जॉब के अवसर तेजी से बढ़ रहे हैं। मेडिकल और फार्मास्युटिकल कंपनी, एग्रीकल्चर सेक्टर, प्राइवेट और गवर्नमेंट रिसर्च और डेवलपमेंट सेंटर में जॉब हासिल कर सकते हैं। टीचिंग को भी करियर ऑप्शन के रूप में आजमाया जा सकता है।

इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग

इलेक्ट्रिकल इंजीनियर बनने के लिए स्टूडेंट को जेईई या फिर स्टेट लेवल पर आयोजित होने वाले इंजीनियरिंग एग्जाम को क्वालिफाई करना जरूरी है। 12वीं साइंस के स्टूडेंट्स इस कोर्स में एडमिशन ले सकते हैं। इसके लिए फिजिक्स, केमिस्ट्री और मैथ होना चाहिए। मौजूदा समय में इलेक्ट्रिकल इंजीनियर्स की मांग में जबरदस्त इजाफा हुआ है। इंडस्ट्रीज मैन्युफैक्चरिंग, टेलीविजन, कंप्यूटर, माइक्रोवेब्स से संबंधित इंडस्ट्रीज में इसकी खूब मांग है। इसके अलावा, एटमी प्लांट्स, हाइड्रोइलेक्ट्रिक पावर प्लांट्स, थर्मल पावर आदि के डिजाइन और डेवलपमेंट इलेक्ट्रिक इंजीनियर की अहम भूमिका होती है।

फायर इंजीनियरिंग

फायर इंजीनियरिंग कोर्स में एडमिशन के लिए साइंस सब्जेक्ट्स से बारहवीं पास होना जरूरी है। इसके अलावा, इन कोर्सेज में प्रवेश के लिए कई संस्थान नेशनल लेवर पर एंट्रेंस एग्जाम और साक्षात्कार आदि भी आयोजित करते हैं। फायर इंजीनियरिंग से रिलेटेड सर्टिफिकेट और डिप्लोमा कोर्स भी कर सकते हैं। कोर्स के दौरान आग बुझाने के विभिन्न तरीकों की जानकारी दी जाती है। इन कोर्सेज में फिजिकल फिटनेस के मार्क्स भी जोड़े जाते हैं। दिल्ली कॉलेज ऑफ फायर ऐंड सेफ्टी इंजीनियरिंग के डायरेक्टर जेड एस लाकड़ा के मुताबिक, फायर इंजीनियरिंग से जुड़े प्रोफेशनल्स के लिए गवर्नमेंट और पब्लिक सेक्टर में काफी संभावनाएं हैं। इस फील्ड में जुड़े प्रोफेशनल्स रेलवे, एयरफोर्ट ऑथॉरिटी ऑफ इंडिया, डिफेंस फोर्स, इलेक्ट्रिसिटी बोर्ड, ओएनजीसी, माइंस, रिफाइनरिज, पेट्रोकेमिकल्स कॉम्प्लेक्स आदि में जॉब की तलाश कर सकते हैं।

कंप्यूटर साइंस

कंप्यूटर साइंस में करियर बनाने के लिए मैथ्स और साइंस (फिजिक्स, केमेस्ट्री) में अच्छी पकड़ होनी चाहिए। इस ब्रांच में बीई या बीटेक करने के बाद पोस्टग्रेजुएशन यानी एमई/एमटेक किया जा सकता है। कंप्यूटर इंजीनियर्स के लिए देश-विदेश दोनों जगहों पर अच्छी संभावनाएं हैं। ये सॉफ्टवेयर्स को डिजाइन, डेवलप और मेंटेन करते हैं। इस फील्ड से जुड़े लोगों को सॉफ्टवेयर कंपनीज और आईटी कंपनियों में जॉब मिलती है। कंप्यूटर इंजीनियर अपनी टीम के साथ मिलकर मैथ और साइंस का प्रयोग करके कंप्यूटर को डिजाइन और डेवलप करते हैं। आमतौर पर कंप्यूटर के पुजरें के साथ काम करने वाले प्रोफेशनल्स को हार्डवेयर इंजीनियर कहा जाता है और जो कंप्यूटर के प्रोग्राम्स के साथ काम करते हैं, उन्हें सॉफ्टवेयर इंजीनियर कहा जाता है।

पेट्रोलियम इंजीनियरिंग

इन दिनों पेट्रोलियम इंजीनियर्स की काफी डिमांड है। अन्य इंजीनियरिंग ब्रांच की ही तरह पेट्रोलियम इंजीनियरिंग में एडमिशन के लिए स्टूडेंट्स का 12वीं साइंस (फिजिक्स, केमिस्ट्री, मैथमेटिक्स) से पास होना जरूरी है। इस कोर्स में एडमिशन के लिए जेईई पास करना जरूरी है। कोर्स कंप्लीट करने के बाद इंडियन ऑयल, ऑयल इंडिया लिमिटेड, एचपीसीएल, ओएनजीसी, बीपी आदि में जॉब की तलाश की जा सकती है।

माइनिंग इंजीनियरिंग

माइनिंग इंजीनियरिंग कोर्स में एडमिशन के लिए मैथ, फिजिक्स और केमिस्ट्री से 12वीं पास होना जरूरी है। माइनिंग इंजीनियरिंग में एडमिशन के लिए जेईई जैसे एंट्रेंस एग्जाम को पास करना जरूरी है। कोर्स कंप्लीट करने के बाद स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड, कोल इंडिया लिमिटेड, आईपीसीएल, नेवली लिग्नाइट कॉरपोरेशन, यूरेनियम कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया, आदि में जॉब की संभावनाएं तलाश सकते हैं। इसके अलावा, रिसर्च और टीचिंग में भी काफी स्कोप है।

हॉबी भी बन सकती है कमाई का साधन

यदि आपकी भी कोई हॉबी है, तो वह आपको अच्छा रिटर्न भी दे सकती है। जरूरत है कि आप अपनी हॉबी को अपना पैशन बना लें, तभी तो वह आपको लाभ देगी। पैशन को निवेश में बदलने की शुरूआत करने पर उससे संबंधित कुछ बातों को जानना जरूरी है, तभी तो आप उसकी सही कीमत पा सकती हैं और अपनी कड़ी मेहनत से जुटाई संग्रहणीय वस्तुओं को भी सुरक्षित रख सकती हैं।

कलैक्शन के लिए जुनून

कलैक्शन की ललक किसी में बचपन या बुढ़ापे से ले कर कभी भी पैदा हो सकती है। कला, पेंटिंग, स्कल्पचर, स्टांप, सिक्के और नोट सरीखी वस्तुओं का कलैक्शन लंबे समय में आपको अच्छी रिटर्न दे सकता है।

शुरूआत के लिए

यदि आप कुछ संग्रह करना शुरू करने वाली हैं, तो बेहतर है कि आप आम कलैक्शन के साथ शुरूआत करें। उदाहरण के लिए यदि आप स्टांप इकट्ठी करने वाली हैं, तो जितनी ज्यादा संभव हो, उतनी स्टांप इकट्ठी करें और जब कुछ समय के बाद आपके पास स्टांप का अच्छा-खासा कलैक्शन हो जाए, तो आप किसी खास देश की खास स्टांप पर भी फोकस कर सकती हैं। इससे मिलने वाली खुशी एक संकलनकर्ता का प्रोत्साहन होती है, न कि उसके संकलन की मार्कीट वैल्यू उसके लिए मायने रखती है।

अभिभावकों की भूमिका

अगर किसी बच्चे में कलैक्शन की हॉबी है तो अभिभावक और शिक्षकों को उसे प्रोत्साहित करना चाहिए। अभिभावकों में अपने बच्चे के टैलेंट को पहचानने की क्षमता होनी चाहिए। प्रत्येक माता-पिता का दायित्व है कि वे अपने बच्चे की कलैक्शन की आदत को पैशन बनाने में उसे प्रोत्साहन दें। वे अपने बच्चे का परिचय ऐसी विभिन्न सोसायटियों से करा सकते हैं, जहां पर पुराने और बड़े संकलनकर्ता दूसरों को प्रोत्साहित करने के लिए मीटिंग और सैमीनार आयोजित करते हैं। ये सोसायटियां किसी संकलनकर्ता के संकलन की जानकारी को लोगों से सांझा करने और उनके संकलन को विस्तृत बनाने के लिए जानकारियां देने में मददगार होती हैं।

विशिष्ट कलैक्टरों की जमात में शामिल होने के लिए संकलनकर्ता को अपने संकलन के विषय की गहन जानकारी होनी चाहिए। उसके लिए अपने विषय के अन्य संकलनकर्ताओं और उनके संकलन के स्तर के बारे में जानना भी बेहद जरूरी है, सो इसके लिए आप प्रदर्शनियों में जाएं तथा नैट पर सर्च करती रहें।

उपलब्धता भी रखती है मायने

आप जिस चीज का संकलन करने जा रहे हैं, उसकी उपलब्धता का स्तर जानना बेहद महत्वपूर्ण है। यह भी समझें कि विशिष्ट संकलनकर्ताओं के पास संजोई गई चीजें आसानी से नहीं मिलतीं।

डीलर की पहचान जरूरी

स्टांप, स्कल्पचर और सिक्के बेचने वाले डीलरों से कोई चीज खरीदने से पहले आप अच्छी तरह जांच-पड़ताल कर लें कि वास्तव में वह वस्तु अपने दाम के अनुरूप है या नहीं। एंटीक वस्तुएं खरीदते समय प्रत्येक आइटम का गहनता से परीक्षण करना होगा। इसकी भी जांच कर लें कि वह चीज अच्छी स्थिति में हो और किसी अधिकृत संस्था द्वारा प्रमाणित हो। एंटीक वस्तुएं खरीदते समय इस बात का भी ध्यान रखें कि कहीं आप धोखाधड़ी का शिकार तो नहीं हो रहे हैं, क्योंकि बहुत सी नई चीजों को पुराना रूप देकर एंटीक बता दिया जाता है।

संग्रहणीय वस्तुओं की सुरक्षा

एक संकलनकर्ता को अपनी संग्रहणीय वस्तुओं की गुणवत्ता के साथ किसी हाल में समझौता नहीं करना चाहिए। उन्हें अपने संग्रहण की स्थिति की समय-समय पर जांच करनी चाहिए। ऐसी चीजों को इकट्ठा करने से बचना चाहिए, जो सही स्थिति में न हों, हालांकि पुराने इस्तेमाल हो चुके स्टांप इसके अपवाद हो सकते हैं। संकलनकर्ता आम तौर पर अपनी कलैक्शन को लेकर बेहद पोजैसिव होता है। अपनी कलैक्शन को लोगों के हाथ में देकर दिखाने की अपेक्षा दूर से दिखाना बेहतर तरीका है। सिक्कों के संग्रहणकर्ताओं को अपने सिक्के साफ पानी से धोने चाहिएं। ऐसे रसायनों से बचना चाहिए जिनसे सिक्कों की वास्तविक चमक कम हो जाती हो।

संकलनकर्ताओं को अपने संकलनको दुर्लभ, अति दुर्लभ जैसी श्रेणियों में वर्गीकृत कर उनका कैटालॉग बनवा कर उनके विषय में लोगों को जानकारी देनी चाहिए।

संकलन का बाजार

संकलनकर्ताओं को देखना चाहिए कि उनके संकलन के लिए आसान खरीद और बिक्री का बाजार हो। संकलित वस्तुओं को किसी मान्यता प्राप्त अथॉरिटी से प्रमाणपत्र मिला होना चाहिए। संग्राहक के पास अपने संकलन को बेहतर स्थिति में सुरक्षित रखने के लिए इंफ्रास्ट्रक्चर भी होना चाहिए।

पैशन को दें दिशा

अपने पैशन को यूं ही मत जाने दें। आपका यह पैशन आपको किसी बड़े निवेश की ओर ले जा सकता है। अगर आपको सिक्के इकट्ठे करने का शौक है तो आप सिक्कों का एक बड़ा कलैक्शन कर इन्हें बेच कर अच्छी-खासी कमाई कर सकते हैं अर्थात आपकी हॉबी भी पूरी होगी और पैसा कमाने की चाहत भी। पेंटिंग, स्कल्पचर, स्टांप तथा दुनिया के तमाम देशों की करंसी इकट्ठा करने की आपकी हॉबी आपको धनवान बना सकती है।

आफिस और आपका व्यवहार

ऑफिस में कभी काम को कल पर टाल कर, तो कभी काम ज्यादा होने पर छुट्टी ले लेना जैसी आदतें पुरुषों में ही नहीं, बल्कि महिला कर्मचारियों में भी पाई जाती हैं। उन्हें तो शायद यह महसूस भी नहीं होता कि उनकी यह आदत धीरे-धीरे उनकी ही परफार्मेंस पर भारी पड़ते हुए उन्हें बॉस की नजरों में गैर-जिम्मेदार ठहराती जा रही है।

महिलाएं अक्सर दूसरों के सामने यह राग अलापती हैं कि वे तो मजे की नौकरी कर रही हैं। ऐसी बातें जब बॉस के कानों में पहुंचती हैं, तो वह निल-परफार्मेंस के साथ सहज ही आपकी तुलना कर लेता है। यही कारण है कि जब प्रमोशन की बात आती है तो कई बार आपके जूनियर बाजी मार जाते हैं। ऐसी कई गलतियां हैं, जिनकी आदी हो चुकीं महिला कर्मचारी इन्हें अपनी आदत बना लेती हैं। यदि आप में भी कोई ऐसा अवगुण है तो उसे समय रहते ही सुधार लेना आवश्यक है।

अपनी गलती दूसरों के सिर न मढ़ें

अपनी गलती को छिपाने वाले तथा बॉस की नजरों में अच्छी इमेज साबित करने वाले लोग हर जगह होते हैं। ऐसे लोग अपनी गलती दूसरे के सिर मढ़ कर बच निकलना चाहते हैं, परंतु अपनी इस आदत के कारण दूसरों की परेशानी की वजह बन जाते हैं। यदि आप में भी यह आदत है तो इसे सुधार लेना ही बेहतर है। हो सकता है कि आरंभ में अपनी गलती मानते हुए आपको शर्मिंदगी महसूस हो, लेकिन यकीन मानें कि उसे छिपाने में आपको कहीं ज्यादा परेशानी झेलनी पड़ती है। अपने किसी कुलीग के सिर गलती मढने़ की कोशिश हर बार कामयाब नहीं हो सकती और गलती साबित हो जाने पर वह स्थिति अधिक कष्टदायक हो सकती है।

रोज की बहानेबाजी तौबा-तौबा

कई बार आप सुबह उठती हैं और काम पर जाने का मन नहीं हो रहा या बच्चों ने घूमने की फरमाइश कर दी तो तुरंत फोन कर बॉस से पेट दर्द, सिरदर्द या किसी और बीमारी का बहाना बना कर आप लीव ले लेती हैं। छुट्टी लेना तो आपका अधिकार है और उस समय आप अभिनय में कलाकारों को भी मात दे देती हैं। कुछ दिन की छुट्टी चाहिए तो मैडीकल सर्टीफिकेट देकर लंबी छुट्टी ले ली परंतु ऐसी बहानेबाजी आपके दूसरे कुलीग्स का वर्क प्रैशर बढ़ा देती है। कभी यह सोचा है कि आपकी इस आदत के चलते आप अपने सहयोगियों का ही नहीं, बल्कि अपने बॉस का भी विश्वास खोने लगती हैं, क्योंकि वह आपको जिम्मेदारी का काम या ओहदा देने से कतराने लगते हैं।

व्यवहार हो संतुलित

किसी ने आपके काम पर उंगली उठाई या फिर आपको क्रिटीसाइज किया तो आप अपने गुस्से पर काबू नहीं रख पातीं और गुस्से में लाल-पीली होकर सामने वाले पर बरस उठती हैं या फिर आप सामने वाले की कही गलत बातों को भी चुपचाप सुन स्वयं में ही सिमटे हुए वहां से उठ कर चल देती हैं। प्रोफैशनल नजरिए से देखा जाए तो दोनों तरह के व्यवहार सही नहीं हैं, क्योंकि तुरंत रिएक्ट करने से आप सबकी नजरों में एग्रैसिव साबित होते हैं तो चुपचाप हर किसी की नाराजगी झेलने से आप सॉफ्ट टार्गेट बन जाते हैं। इसलिए बेहतर है कि व्यवहार को संतुलित रखें क्योंकि दोनों ही स्थितियों में आप अपना सही पक्ष नहीं रख सकतीं। इसलिए बेहतर है कि भीतर का आक्रोश थम जाने पर ही सामने वाले से बात करें। इससे आप जहां सही ढंग से अपना पक्ष रख सकेंगी, वहीं आपकी एनर्जी बेकार की बातों में वेस्ट नहीं होगी और काम पर भी उसका नैगेटिव असर नहीं पड़ेगा।

पर्सनल काम करें अवॉयड

ऑफिस के फोन से पर्सनल कॉल करना, ई-मेल पर चैट करना, प्रिंट पर पर्सनल डॉक्यूमैंट्स के प्रिंट लेना या फिर घरेलू कामों को निपटाना जैसे काम एक दिन बॉस के नोटिस में आ ही जाते हैं। ये सब आपकी कार्यक्षमता पर सवालिया निशान भी लगाते हैं। इसलिए बेहतर है कि इस प्रकार के पर्सनल कामों को अवॉयड किया जाए।

शालीन पहनावा

जब बात ऑफिस में प्रोफैशनल बिहेवियर की चल रही हो तो सही ड्रैसिंग भी उसी में आती है। यदि ऑफिस में कोई ड्रैस कोड नहीं है तो आपकी जिम्मेदारी और भी बढ़ जाती है, इसलिए ऑफिस में हमेशा ग्रेसफुल पोशाक ही पहनें, क्योंकि इसी से आपके सहयोगी आपके बारे में अपनी राय कायम करते हैं।

तृतीय चरण का मतदान सम्पन्नःबैकुण्ठपुर में 80.16 प्रतिशत मतदान

सोनहत(लगभग) विधानसभा में 87 प्रतिशत मतदान,कोरिया के मतदाताओं ने मतदान के महापर्व में लिया हिस्सा,बुजुर्ग व द्विव्यांग मतदाता बने मिसाल

-संवाददाता-
कोरिया,07 मई 2024
(घटती-घटना)।

बैकुण्ठपुर विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 03 के अंतर्गत 228 मतदान केन्द्रों में पुरुष मतदाताओं की संख्या 85 हजार 132 तथा महिला मतदाताओं की संख्या 85 हजार 639 एवं तृतीय लिंग मतदाता 6 है। इस तरह कुल मतदाताओं की संख्या 1 लाख 70 हजार 777 है। मिली जानकारी के अनुसार शाम 7 बजे तक 81.41 प्रतिशत पुरुष मतदाताओं ने मतदान किये, वहीं 78.93 प्रतिशत महिला मतदाताओं ने मतदान किये है। इस तरह अबतक 80.16 प्रतिशत मतदान हुआ है। वहीं विधानसभा सोनहत (आंशिक) में 78 मतदान केन्द्रों में पुरुष मतदाता 18 हजार 231 तथा महिला मतदाता 18 हजार 321 पंजीकृत थे। इनमें से 15 हजार 945 पुरुष मतदाता तथा 15 हजार 934 महिला मतदाताओं ने मतदान किये। इस तरह अनंतिम आकड़े के अनुसार 87 प्रतिशत मतदान हुए हैं। लोकसभा निर्वाचन 2024 के तहत तृतीय चरण का मतदान आज कोरबा संसदीय निर्वाचन क्षेत्र क्रमाक-04 के तहत कोरिया जिले के मतदाताओं ने लोकतंत्र के महापर्व में बदलते मौसम व खुशनुमा वातावरण के बीच मतदान किया। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी विनय कुमार लंगेह ने बताया कि जिले के सभी 306 मतदान केंद्रों पर व्यवस्थित तरीके से मॉक पोल कराने के बाद सभी मतदान केंद्रों पर मतदान प्रारम्भ निर्धारित समय पर शुरू हो गया था। गर्मी व उमस के बावजूद सभी मतदान केंद्रों में मतदाता कतार में लगकर मतदान कर रहे थे।

मतदान कराकर सकुशल लौटे दल का हुआ अभिनंदन

कलेक्टर,सीईओ और सहायक रिटर्निंग अधिकारी ने किया स्वागत

जिले में निष्पक्ष मतदान की प्रक्रिया पूरी कराकर मतदान दल वापस आने पर कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी विनय कुमार लंगेह ने रामानुज विद्यालय परिसर में पहले मतदान दल का पुष्पगुच्छ भेंट कर अभिनंदन किया और उन्हें लोकतंत्र के महत्वपूर्ण पर्व के बेहतर सम्पादन के लिए धन्यवाद दिया। जिले के दूरस्थ वनांचल क्षेत्र निग्नोहर मतदान केंद्र क्रमांक 137 में नियुक्त दल के सदस्य सबसे पहले रामानुज विद्यालय परिसर में पंहुचे। इस दल के पीठासीन अधिकारी श्री हरिशंकर साहू और उनके साथ दल में नियुक्त श्री पूरन लाल, श्री सईद अनवर खान और शिवबालक केवट का सुरक्षा बल के साथ पुष्पगुच्छ देकर अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर जिला पंचायत कोरिया के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ आशुतोष चतुर्वेदी और लोकसभा निर्वाचन की सहायक रिटर्निंग अधिकारी श्रीमती अंकिता सोम सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। कोरिया जिले में लोकसभा क्षेत्र कोरबा के लिए आज मतदान सम्पन्न हुआ और सभी मतदान केंद्रों में निष्पक्ष चुनाव पूर्ण करा लिया गया है।

मतदान केंद्रों में ओआरएस घोल देने की माकूल व्यवस्था

दिव्यांग,युवा व महिला मतदाताओं में मतदान को लेकर बेहद उत्साह

विभिन्न मतदान केंद्रों में लोकतंत्र के महापर्व मतदान में शामिल होने के लिए बड़ी सँख्या में मतदाता कतार में लगे हुए थे। संगवारी, आदर्श, युवा, द्विव्यांग एवं अन्य मतदान केंद्रो में स्वास्थ्य कर्मी द्वारा मतदाताओ को ओआरएस घोल बनाकर दे रहे थे,वहीं दिव्यांग मतदाताओं के लिए व्हीलचेयर की व्यवस्था की गई थी। इसके अलावा बड़ी संख्या में विभिन्न मतदान केन्द्रों में शिशुवती माताएं मतदान करने कतार में लगी हुई थी।

हमने अपनी जिम्मेदारी निभाई,बाकी मतदाता भी वोट डालने पहुंचे

सोनहत जनपद पंचायत के दूरस्थ मतदान केंद्रों में भी बड़ी सँख्या में मतदाता मतदान करने के लिए पहुंचे हुए हुए थे। सोनहत जनपद के अंतर्गत ग्राम बड़वार-पहाड़पारा,मतदान केंद्र 192 में मतदान करने पहुंचे 70 वर्षीय श्रीमती कैलाशो बाई और करीब 73 वर्षीय किशुन राजवाड़े ने हंसते हुए बताया कि हम तो वोट डाल दिए हैं, अपना काम कर दिए, बाकी मतदाता भी वोट डालने पहुंचे।

90 वर्षीय कतवारी राम ने मतदान करके अदा किया फर्ज

इस जज्बे को सलाम,लोगों के लिए बनी प्रेरणा

लोकतंत्र को मजबूत बनाने के लिए सभी वर्ग के मतदाता वोट डालकर अपनी सहभागिता निभा रहे थे। इसी कड़ी में बैकुंठपुर विधानसभा क्षेत्र के चेहरा पारा वार्ड क्रमांक 2 निवासी 90 वर्षीय कतवारी राम ने उत्साह पूर्वक मतदान करके अपना फ़र्ज़ अदा किया। इस उम्र में मतदान करने का जो कार्य किया, इसे उनके जज्बे और मतदान के प्रति जागरूकता ही माना जाएगा साथ ही अन्य मतदाताओं के लिए प्रेरणा भी बने।

शेराडाँड़ में शत्-प्रतिशत मतदान

संभवतः प्रदेश के सबसे कम मतदाता वाले मतदान केन्द्र भी इसी जिले के शेराडाँड़ मतदान केंद्र क्रमांक 143 है। जहाँ 3 पुरुष एवं 2 महिला यानी कुल 5 मतदाताएँ हैं। और इस मतदान केन्द्र में सबसे पहले लगभग सुबह 9 बजे के पूर्व ही शतप्रतिशत मतदान होने वाला मतदान केंद्र बन गया। शेराडाँड़ मतदान केन्द्र जिले के सोनहत जनपद पंचायत में सुदूर वनांचल में स्थित है। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी विनय कुमार लंगेह ने समस्त मतदाताओं के प्रति लोकतंत्र में अपनी शत प्रतिशत हिस्सेदारी के लिए आभार व्यक्त किया है।

माटी का रखा मान-मुंबई से आकर किया मतदान

ग्राम अमरपुर निवासी राजकुमार फिलहाल मुंबई में काम कर रहे हैं। विगत दिनों कलेक्टर व जिला निर्वाचन अधिकारी विनय कुमार लंगेह एवं सीईओ डॉ. आशुतोष चतुर्वेदी ने श्री राजकुमार से वीडियों कॉल करके यहां मतदान करने के लिए अपील की थी। श्री राजकुमार ने आने की सहमति दी थी। उन्होंने अपनी माटी का मान रखते हुए मुंबई से आकर आज मतदान किया। राजकुमार ने मतदान के प्रति जो जागरूकता और ललक दिखाई है वह प्रेरणा है।

153 मतदान केंद्रों वेब कास्टिंग की सुविधा

निर्वाचन आयोग के निर्देश पर जिले के 153 मतदान केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरे से निगरानी की गई और इसकी लगातार रिपोर्ट ली जा रही थी। निगरानी सजग रखने के लिए जिले के कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी विनय कुमार लंगेह ने वेब कास्टिंग मतदान केंद्रों का निरीक्षण किया और केन्द्र की निगरानी रख रहे अधिकारियों से किसी भी असामान्य स्थिति पर तुरंत वहां के पीठासीन अधिकारी को सूचित करने और सेक्टर अधिकारी को भी अवगत कराने के निर्देश दिए थे। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ डॉ. आशुतोष चतुर्वेदी उपस्थित रहे।

मिसाल बने स्काउट के होनहार छात्र

सोनहत जनपद के अंतर्गत मतदान केंद्र 203 कछार में दिव्यांग मतदाताओं को स्काउट के छात्रों ने व्हील चेयर में बैठाकर मतदान केंद्र तक पहुंचाने में लगे रहे। अपने कर्तव्य को भली भांति समझते हुए सेवाभावी कार्य कर एक मिसाल दी है।

कलेक्टर विनय कुमार लंगेह कतार में लगकर मतदान किये

कोरिया कलेक्टर व जिला निर्वाचन अधिकारी विनय कुमार लंगेह,उनकी पत्नी श्रीमती डॉ. एकता लंगेह बैकुंठपुर के ओड़गी मतदान केंद्र 131 में पहुंचे और कतार में लगकर मतदान किए। इस दौरान उन्होंने सभी से वोट डालने की अपील की और सेल्फी भी ली।

मुझे मेरे भाई बहनों पर पूरा भरोसा है,मुझे ही अपना कीमती मत देकर जिताएंगी : ज्योत्सना महंत

-संवाददाता-
कोरबा,07 मई 2024
(घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत व कांग्रेस प्रत्याशी ज्योत्सना चरणदास महंत व पुत्र सूरज महंत ने गृहग्राम सारागांव सक्ती के मतदान केन्द्र में मतदान किया। इस दौरान उनके भाई राजेश महंत भी उपस्थित थे और उन्होंने भी मतदान किया। मतदान के पश्चात डॉ. महंत ने कहा कि सबसे बड़ा महत्वपूर्ण हमारा संविधान है जिसने हमें वोट डालने का अधिकार दिया है। उस मत को देने के लिए हम कोरबा से यहां आए हैं। एक-एक वोट बहुमूल्य है लोकतंत्र की रक्षा के लिए संविधान की सुरक्षा के लिए आपको वोट देना है, बाकी सब काम बाद में। अपने गृहग्राम जाने से पूर्व सुबह के समय श्रीमती ज्योत्सना महंत ने कोरबा क्षेत्र के मतदान केंद्रों में जाकर वहां के बूथ कार्यकर्ताओं से मतदान से सबंधित जानकारी लि। इस दौरान शहरी क्षेत्रों में मतदाताओं में मतदान को लेकर कम रुझान पर कहा के संविधान में मतों का प्रयोग सभी को करना चाहिए यह हमारा अधिकार है ,गर्मी के कारण हो सकता है के मतदाता कम आए हो,अभी वक्त है एवं मुझे विश्वास है के मतदाता अपने अधिकार का प्रयोग अवश्य करेंगे । उन्होंने कहा के अभी तक जिन जिन मतदान केंद्रों में उनका भ्रमण हुआ वहां मतदाता बडचड़कर हिस्सा ले रहे है,जिससे वे संतुष्ट है साथ ही कहा की संविधान ने मतदाताओं को अधिकार दिया है के मतदान करें उसका भरपूर प्रयोग करें पीछे न हटे और उस सरकार को चुने जो उनको लाभ दे,लालच नही लोभ नही उसमे नहीं आए बल्कि उन्हें चुने जो व्यवसाय दे ,बेरोजगार को रोजगार दे ,किसान को न्याय दे,मजदूर को न्याय दे,हमारा न्याय पत्र भी इसी पर बना है । इस वक्त देश न्याय मांग रहा है जिस तरह से देश की जनता बेरोजगारी और महंगाई से जूझ रही है उसे ध्यान में रखते हुए अपने मताधिकार का प्रयोग करे और अधिक से अधिक मतदान करे । उन्होंने मतदान केंद्रों में भ्रमण के दौरान कहा के सभी केंद्रों में उनके कायकर्ता मौजूद है और वे मतदान केंद्रों के व्यवस्थाओं को लेकर संतुष्ट है। उन्होंने ग्रामीण अंचलों में अधिक मतदान प्रतिशत पर कहा के ग्रामीण क्षेत्रों में लोग उत्साहित होते है वे चुनाव को त्योहार की तरह लेते है,इसलिए ग्रामीण क्षेत्रों में मत प्रतिशत ज्यादा देखा जा सकता है । उनसे पूछे जाने पर के ग्रामीण अंचलों में मतदान का प्रतिशत शहरी क्षेत्रों की अपेक्षा ज्यादा होने से क्या ज्योत्सना महंत को इसका लाभ मिलेगा ? तो उन्होंने प्रश्न पर मुस्कुराते हुए बड़े शालीनता से कहा के बिलकुल मिलेगा, ग्रामीण क्षेत्रों की सभी भाई ,बहन मेरे साथ है और मुझे पूरा विश्वास है के वे अपना कीमती मत मुझे ही देंगी और हम ये लोकसभा चुनाव 2024 जीतेंगे । वहीं दूसरी ओर दुर्ग से आई सरोज पाण्डेय को कोरबा लोकसभा की मतदाता सूची में नाम नहीं होने के कारण मतदान करने का अवसर प्राप्त नहीं हुआ वे अपना मत उपयोग करने से वंचित रहीं। साथ ही उनके साथ बाहर से आए कार्यकर्ता भी अपना मतदान करने से रहे वंचित।

कोरबा कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक ने मतदान केंद्रों की व्यवस्थाओं का जायजा ले,किया मतदान

-संवाददाता-
कोरबा,07 मई 2024
(घटती-घटना)।

लोकसभा आम निर्वाचन के तीसरे चरण अंतर्गत कलेक्टर अजीत वसंत ने अपनी धर्मपत्नी डॉ रूपल ठाकुर के साथ कोरबा शहरी क्षेत्र के रामपुर पीडब्ल्यूडी आदर्श मतदान केन्द्र क्रमांक 127 पहुँचकर मतदान किया। उन्होने उपस्थित मतदाताओं को मतदान के लिए प्रोत्साहित किया। सुबह 07 बजे कलेक्टर अजीत वसंत केन्द्र क्रमांक 127 रामपुर कोरबा पीडब्ल्यूडी प्राथमिक शाला पहुँचे और उन्होंने पीठासीन अधिकारी से मतदान की तैयारियों संबंधी जानकारी ली। इस स्कूल परिसर में दो मतदान केन्द्र 126 तथा 127 स्थित है। कलेक्टर ने दोनों केन्द्रों में मतदान की तैयारियों का जायजा लिया। इस दौरान उनके साथ पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ तिवारी, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत संबित मिश्रा, निगम आयुक्त श्रीमती प्रतिष्ठा ममगाई ने भी आदर्श मतदान केंद्र में मतदान किया साथ ही कलेक्टर सहित सभी अधिकारियों ने आदर्श केंद्र में बने सेल्फी बूथ पर सेल्फी ली ।

न्यायालय नायब तहसीलदार-अंबिकापुर के न्यायालय में मामलों क्रमांक 202404020700032

विषय :-अ-6 मामलों की श्रेणी :- राजस्व सन् :-2023-2024

नवाबांध प.ह.नं. 00025 154/1 (0.3160 हे0)
पक्षकार का विवरण -
आवेदक पक्षकार -अनिल कुमार बनवासी
अनावेदक पक्षकार -धनरजिया

ईश्तहार

आवेदक अनिल कुमार बनवासी आ0 गोपाल राम, निवासी,ग्राम नवाबांध, तहसील, अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा ग्राम नवाबांध स्थित खसरा नंबर 154/1 रकबा 0.316 हे0 भूमि का वसीयतनामा के आधार पर नामांतरण किये जाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 13/05/2024 के पूर्व न्यायालय में स्वंय अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा -आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा - आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 04/04/2024 को जारी किया जाता हैं।

सील

तहसीलदार
अम्बिकापुर,सरगुजा

न्यायालय नजुल अधिकारी
अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा,छत्तीसगढ़

रा0प्र0क्र0202404021200.../अ-6/2023-24

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्यामलाल गोयल आ0 स्व0 मूलचंद अग्रवाल, निवासी- बाजार डांड धौरपुर, जिला-सरगुजा छ0ग0 ने इस आशय का आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है कि अनावेदक/विक्रेता-ओम प्रकाश अग्रवाल आ0 स्व0 गुगन राम अग्रवाल, निवासी-बनारस चौक, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा के स्वामित्व एवं हक की शीट नं0-03, मोहल्ला-बाबुपारा, नगर-अम्बिकापुर स्थित नजूल भू-खण्ड क्रमांक 3467/4866/137, रकबा 118.20 वर्गमीटर भूमि को आवेदक द्वारा अनावेदक से पंजीबद्ध विक्रय पत्र दिनांक 31/03/2024 के माध्यम से क्रय किया गया है। अतः पंजीबद्ध विक्रय पत्र दिनांक 31/03/2024 के आधार पर क्रय की गई भूमि के अभिलेख में अपना नाम दर्ज करने बावत् आवेदक द्वारा आवेदन पत्र अन्तर्गत धारा 109,110 छ.ग.भू-राजस्व संहिता 1959 के तहत प्रस्तुत किया गया हैं ।

अतः उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा अथवा -आपत्ति हो, तो वे अपना लिखित दावा-आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 20/05/2024 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते हैं । नियत तिथि के पश्चात् प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा ।

आज दिनांक 03/05/2024 को मेरे न्यायालयीन मुद्रा एवं हस्ताक्षर से जारी किया गया।

सील

नजूल अधिकारी
अंबिकापुर,सरगुजा

संक्षिप्त खेल समाचार

इगोर स्टिमक ने भुवनेश्वर शिविर के लिये 15 संभावित खिलाड़ियों की घोषणा की

नई दिल्ली,07 मई 2024। भारतीय सीनियर पुरूष टीम के मुख्य कोच इगोर स्टिमक ने मंगलवार को कुवैत और कतर के खिलाफ फीफा विश्व कप 2026 के प्रारंभिक संयुक्त क्वाली फिकेशन दूसरे दौर के मुकाबलों के लिये 15 संभावित खिलाड़ियों की दूसरी सूची जारी की। पहली सूची जारी की गई थी। पहली सूची में शामिल 26 खिलाड़ी भुवनेश्वर में 10 मई से अभ्यास शुरू करेंगे।

दूसरी सूची में शामिल 15 खिलाड़ियों में मुंबई सिटी एफसी और मोहन बागान एसजी के खिलाड़ी शामिल हैं जिन्होंने आईएसएल कप फाइनल खेला। वे 15 मई को शिविर से जुड़ेंगे। कुल 41 खिलाड़ी राष्ट्रीय शिविर में भाग लेंगे। भारत का सामना छह जून को कोलकाता में कुवैत से और 11 जून को कतर में कतर से होगा। भारत ग्रूप ए में चार मैचों में चार अंक लेकर दूसरे स्थान पर है। ग्रू प की शीर्ष दो टीमें तीसरे दौर में पहुंचेंगी और एएफसी एशियाई कप का टिकट कटायेंगी।

संभावित खिलाड़ियों की सूची...

गोलकीपरः-पी तेमपा लाचेंपा, विशाल कैथ **डिफेंडरः**- आकाश मिश्रा , अनवर अली, मेहताब सिंह, राहुल भेके, शुभाशीष बोस, मिडफील्डरः- अनिरूद्ध थापा, दीपक टंगड़ी, लालेंगमाविया राल्टे, लालियां जुआला छांगटे, लिस्टन कोलासो, सहल अब्दुल समद।

मुश्किल होगा हमें हराना

नई दिल्ली,07 मई 2024। दिल्ली कैपिटल्स को प्लेऑफ की दौड़ में बने रहने के लिए अपने बाकी बचे तीन मैच जीतने होंगे। इसलिए मुख्य कोच रिकी पोटिंग का मानना है कि अगर ऋषभ पंत और टीम 40 ओवरों में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करती है, तो उन्हें हराना मुश्किल होगा। आज दिल्ली कैपिटल्स का मुकाबला अपने होमग्राउंड अरुण जेटली स्टेडियम पर राजस्थान रॉयल्स से होगा।
वहीं पोंटिंग ने राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ मैच की पूर्व संध्या पर कहा कि, कोलकाता के खिलाफ हमारा पिछला प्रदर्शन सर्वश्रेष्ठ में से एक नहीं था, लेकिन अब हम घर पर वापस आ गए हैं। हमने यहां अपने तीन में से दो मैच जीते हैं। रॉयल्स के खिलाफ मुकाबले को लेकर रिकी पोंटिंग ने कहा कि, हम जानते हैं कि हम एक बहुत अच्छी राजस्थान टीम के खिलाफ खेलने वाले हैं। लेकिन जैसा कि हमने टूर्नामेंट में अब तक देखा है कि अगर 40 ओवरों तक अपना सर्वश्रेष्ठ क्रिकेट खेल सकते हैं तो मैं गारंटी देता हूं कि हमें हराना मुश्किल होगा इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि हम किसके खिलाफ खेल रहे हैं या हम कहां खेल रहे हैं। हम जानते हैं कि, हम किसी को भी हरा सकते हैं। दिल्ली कैपिटल्स मौजूदा आईपीएल सीजन में लगातार मैच नहीं जीत पाई है। अपने पिछले 11 मैचों में से पांच में जीत हासिल की है और 6 में हार का सामना करना पड़ा है।

लखनऊ सुपर जायंट्स और सनराइजर्स हैदराबाद होंगे आज सामने-सामने

» प्लेऑफ की दौड़ में बने रहने के लिये लखनऊ को हराने उतरेगी सनराइजर्स हैदराबाद

नई दिल्ली,07 मई 2024। अपने बल्लेबाजों के खराब प्रदर्शन से उबरकर सनराइजर्स हैदराबाद लखनऊ सुपर जाइंटस के खिलाफ बुधवार को आईपीएल के मैच में जीत दर्ज करके प्लेआफ का दावा पुख्ता करने के इरादे से उतरेगी। दोनों टीमों के 11 मैचों में 12 अंक हैं। सनराइजर्स का नेट रनरेट (माइनस 0 . 065) लखनऊ (माइनस 0 . 371) से बेहतर है। अंकतालिका में कोलकाता नाइट राइडर्स (16), राजस्थान रॉयल्स (16) और चेन्नई सुपर किंग्स (12) उससे ऊपर हैं। सनराइजर्स और लखनऊ में से जो जीतेगा वह प्लेआफ की दौड़ में एक कदम आगे होगा। पैट कमिंस की कप्तानी वाली टीम में प्रतिभा की कमी नहीं है लेकिन पिछले कुछ मैचों में उसके विजय अभियान पर रोक लग गई है। पिछले चार में से तीन मैचों में सनराइजर्स को पराजय का सामना करना पड़ा है क्योंकि उसके आक्रामक बल्लेबाज नाकाम रहे हैं। मुंबई इंडियंस के खिलाफ पिछले मैच में वे बड़ा स्कोर नहीं बनाने के कारण सात विकेट से हार गए। ट्रेविस हेड को छोड़कर बाकी बल्लेबाज पिछले कुछ मैचों में खराब फॉर्म में रहे हैं।
युवा अभिषेक शर्मा पिछले चार मैचों में 30 रन से आगे नहीं जा सके हैं। सनराइजर्स के मुख्य कोच डेनियल विटोरी ने स्वीकार किया कि हर बार सलामी बल्लेबाजों पर ही जिम्मेदारी नहीं छोड़ी जा सकती , मध्यक्रम को भी कमान संभालनी होगी। हेनरिच क्लासेन लगातार अच्छा खेलने में नाकाम रहे हैं और नीतिश रेड्डी ने भी टुकड़ों में अच्छा प्रदर्शन किया है। टी नटराजन ने अच्छी गेंदबाजी की है जबकि अनुभवी भुवनेश्वर कुमार ने भी लय हासिल कर ली है।
दूसरी ओर लखनऊ सुपर जाइंट्स ने कोलकाता के खिलाफ इकाना स्टेडियम पर निराशाजनक प्रदर्शन किया और पहली बार 200 से अधिक रन देने के बाद 137 रन पर आउट हो गई। कप्तान केएल राहुल नाकाम रहे जबकि मार्कस स्टोइनिस और निकोलस पूरन भी बड़ी पारियां नहीं खेल सके। आयुष बडोनी का इस आईपीएल में प्रदर्शन औसत ही रहा है और वह अपनी उपयोगिता साबित करना चाहेंगे।
गेंदबाजी में तेज गेंदबाज मयंक यादव आईपीएल से बाहर हो गए हैं जबकि बायें हाथ के तेज गेंदबाज मोहसिन खान को भी चोट लगी है। अफगानिस्तान के तेज गेंदबाज नवीनुल हक, युवा यश ठाकुर, स्टोइनिस और स्पिनर कृणाल पंड्या तथा रवि बिश्नोई पर दारोमदार होगा।

टीमें...

सनराइजर्स हैदराबादः- पैट कमिंस (कप्तान), अभिषेक शर्मा, ट्रेविस हेड, हेनरिच क्लासेन (विकेटकीपर), ऐडन मार्करम, अब्दुल समद, नीतिश रेड्डी, शाहबाज अहमद,भुवनेश्वर कुमार, जयदेव उनादकट, टी नटराजन, मयंक मार्कंडेय, उमरान मलिक, अनमोलप्रीत सिंह , ग्लेन फिलिप्स, राहुल त्रिपाठी, वाशिंगटन सुंदर, उपेन्द्र यादव, झटवेध सुब्रमण्यन, सनवीर सिंह, विजयकांत व्यासकांत, फजलहक फारूकी, मार्को यानसेन, आकाश महाराज सिंह और मयंक अग्रवाल।

लखनऊ सुपर जाइंट्सः-केएल राहुल (कप्तान), क्विंटन डिकॉक, निकोलस पूरन, आयुष बदोनी, काइल मेयर्स, मार्कस स्टोइनिस, दीपक हुडा, देवदत्त पडिक्कल, रवि बिश्नोई, नवीन उल हक, क्रुणाल पंड्या, युद्धवीर सिंह, प्रेरक मांकड़, यश ठाकुर, अमित मिश्रा, शमर जोसेफ, मयंक यादव, मोहसिन खान, के गौतम, शिवम मावी, अर्शिन कुलकर्णी, एम सिद्धार्थ, एश्टन टर्नर, मैट हेनरी, मोहम्मद अरशद खान।

एमएस धोनी की पैर की मांसपेशियां फट चुकीं, फिर भी सीएसके के लिए खेल रहे है आईपीएल

नई दिल्ली,07 मई 2024। एमएस धोनी आईपीएल 2024 में सबसे नीचे बल्लेबाजी करने आ रहे हैं।पंजाब किंग्स के खिलाफ 122 रनों के स्कोर पर चेन्नई सुपर किंग्स के 6 विकेट गिर जाने के बाद सभी को उम्मीद थी कि धोनी बल्लेबाजी करने आएंगे, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। धोनी की जगह शार्दुल ठाकुर मैदान पर उतरे। जबकि धोनी नौवें नंबर पर बल्लेबाजी करने आए। धोनी के इस फैसले के बाद कई दिग्गज उनकी आलोचना कर रहे हैं, लेकिन अब एक चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। सीएसके के सूत्रों ने

बताया कि एमएस धोनी पूरे आईपीएल 2024 सीजन के दौरान पैर की मांसपेशियों में चोट से जूझ रहे हैं। इससे उनकी दौड़ने की क्षमता काफी हद तक सीमित हो जाती है, जिससे उनके लिए टॉप क्रम में बल्लेबाजी करना मुश्किल हो जाता है, जहां विकेटों के बीच दौड़ना अहम है। डॉक्टरों ने एमएस धोनी को आराम करने की सलाह दी है, लेकिन सीएसके की टीम खिलाड़ियों के चोटिल होने के कारण कमजोर हो गई है, बैकअप विकेटकीपर डेवोन कॉनवे भी चोट के कारण न्यूजीलैंड से नहीं आए, इसलिए अनुभवी विकेटकीपर-बल्लेबाज खुद को ब्रेक देने के बारे में नहीं सोच पाए। धोनी दवा के साथ अपने दर्द को मैनेज कर रहे हैं और इसलिए वह विकेट के बीच दौड़ने से ज्यादा अपनी पावर हीटिंग स्किल्स को ज्यादा आजमा रहे हैं। साथ ही सूत्र ने कहा कि, हम अपनी बड़ी टीम के साथ खेल रहे हैं। जो लोग धोनी की आलोचना कर रहे हैं, वे नहीं जानते है कि वह इस टीम के लिए कितना त्याग कर रहे हैं। डॉक्टर्स ने उन्हें आराम करने की सलाह दी है लेकिन विकेटकीपर बल्लेबाज के पास कोई विकल्प नहीं है क्योंकि टीम पहले ही इंजरी के चलते काफी कमजोर हो गई है।

टी 20 वर्ल्ड कप के लिए टीम इंडिया की जर्सी आई सामने

नई दिल्ली,07 मई 2024।इन दिनों फैंस पर आईपीएल का खुमार है वहीं 26 मई को आईपीएल की समाप्ती हो जाएगी। लेकिन उससे पहले ही फैंस में टी20 वर्ल्ड कप को लेकर उत्साह बढ़ता दिख रहा है। 2 जून से शुरू होने वाले टी 20 वर्ल्ड कप के लिए भारतीय स्क्वॉड का ऐलान तो पहले ही हो चुका है। वहीं अब काफी इंतजार के बाद टीम इंडिया की जर्सी भी सामने आई है। दरअसल, एडिडास ने आगामी टी 20 वर्ल्ड कप के लिए भारत की जर्सी लॉन्च कर दी है। नई जर्सी में वी-शेप की नेक है जिस पर तिरंगे रंग की धारियां हैं। साथ ही बाजू पर केसरिया रंग पर एडिडास की तीन धारियां दिख रही हैं। जर्सी लॉन्च होने से पहले ही इसका फोटो सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। साथ ही एडिडास ने भी जर्सी लॉन्च कर दी है, धर्मशाला के मैदान के ऊपर हेलीकॉप्टर से जर्सी लॉन्च हुई है।

बॉलीवुड अभिनेत्री दिव्यांका त्रिपाठी ने भोपाल में डाला अपना वोट

टेलीविजन अभिनेत्री दिव्यांका त्रिपाठी दहिया ने मंगलवार को अपने गृहनगर भोपाल, मध्य प्रदेश के लिए उड़ान भरी और कहा कि वह वोट देने के लिए पहुंची थीं। लोकसभा चुनाव के तीसरे चरण में वोट डालने के लिए अभिनेत्री अपने पति विवेक दहिया के साथ पहुंचीं। अभिनेत्री ने अपने इंस्टाग्राम पर स्टोरीज़ सेक्शन के तहत नीले चिकनकारी कुर्ता सेट पहने हुए उड़ान से एक वीडियो साझा किया। 7 मई को हुई वोटिंग में बॉलीवुड अभिनेत्री दिव्यांका त्रिपाठी ने भी चूना भट्टी स्थित मतदान केंद्र पहुंचकर मतदान किया. उन्होंने सभी लोगों से वोट देने की अपील की. बता दें, तीसरे चरण में मध्य प्रदेश की 9 सीटों पर मतदान हो रहा है. ग्वालियर, गुना, भिंड, मुरैना, भोपाल, विदिशा, राजगढ़, सागर और बैतूल की जनता पूरे जोश के साथ वोटिंग की ।
वीडियो में उन्हें यह कहते हुए सुना जा सकता है, वोट डालने के लिए भोपाल जा रही हूं। अपने पति को अपने साथ ले जा रही हूं, वह मेरे सेहत का रखवाला हैं। जिस पर विवेक ने जवाब दिया, आपकी सेवा में, मैम। एक अन्य वीडियो में, दिव्यंका को बार्बी गुलाबी रंग की एथनिक पोशाक पहने देखा जा सकता है, जिसके बाल खुले हैं और गुलाबी बिंदी और मैचिंग लिपस्टिक लगाई हुई है। उन्होंने अपने लुक को सनग्लासेस से पूरा किया।
तेरी मेरी लव स्टोरीज़ की अभिनेत्री ने वीडियो में कहा, वोट करने जा रही हूं। 39 वर्षीय अभिनेत्री को हाल ही में गिरने के बाद डबल फ्रैक्चर हुआ, जिसके बाद सर्जरी करनी पड़ी। उन्होंने इसकी जानकारी इंस्टाग्राम पर अपने प्रशंसकों के साथ साझा की। बाद में, उन्होंने अपनी स्वास्थ्य लाभ यात्रा की एक झलक के साथ एक मार्मिक नोट साझा किया। उन्होंने इस यात्रा के दौरान अपने पति को उनके दृढ़ समर्थन के लिए धन्यवाद भी दिया।
उन्होंने कहा कि सर्जरी करवाने से लेकर वापस लौटने तक की अपनी यात्रा को संक्षेप में साझा कर रही हूं। जिस क्षण मैंने अपने दो बहुत पुराने पूर्ण स्नायुबंधन के फटने को ठीक कराने का निर्णय लिया, मैंने एक केंद्रित तरीके से काम करके आगामी आघात और शांति के लिए अपने शरीर को मजबूत करना शुरू कर दिया। मैंने अपने फिजियो की सावधानीपूर्वक योजना बनाई ताकि मैं समय पर वापसी कर सकूं। विवेक दहिया एक प्यारे इंसान थे, उन्होंने मेरी मुस्कान को एक पल के लिए भी कम नहीं होने दिया। मेरी समझ से, यदि आप किसी चीज़ को निम्न बिंदु के रूप में नहीं लेते हैं, तो वह नहीं होगी! उन्होंने वीडियो के साथ आगे लिखा, आप गिर सकते हैं लेकिन वापस लौटने के लिए अच्छी योजना बनाएं।

एक प्रशंसक द्वारा उन्हें राहा का पोर्ट्रेट उपहार में देने पर रणबीर कपूर की प्रतिक्रिया

रणबीर कपूर हाल ही में एक इवेंट में शामिल हुए, जहां उन्हें एक फैन से बेहद प्यारा तोहफा मिला। रणबीर को उनकी बेटी राहा का हाथ से बना चित्र उपहार में दिया गया। फैन द्वारा शेयर किए गए वीडियो के कैप्शन में लिखा है, रणबीर राहा की तस्वीर गिफ्ट की। वीडियो सोशल मीडिया पर जबरदस्त तरीके से वायरल हो रहा है. रणबीर कपूर ने अप्रैल 2022 में ब्रह्मास्त्र की सह-कलाकार आलिया भट्ट से उनके घर वास्तु में परिवार के कुछ सदस्यों और करीबी दोस्तों के सामने शादी की। शादी से पहले यह स्टार जोड़ी 5 साल से अधिक समय तक डेटिंग कर रही थी। आलिया भट्ट और रणबीर कपूर ने उसी साल नवंबर में अपने पहले बच्चे, बेटी राहा का स्वागत किया।
आलिया भट्ट और रणबीर कपूर ने पिछले साल नवंबर में अपनी बेटी राहा का पहला जन्मदिन मनाया था। आलिया भट्ट ने अपने इंस्टाग्राम पर एक फोटो डंप शेयर किया है. इसके साथ उनकी

बेटी के लिए एक नोट भी था जिसमें लिखा था, ÷हमारा आनंद, हमारा जीवन.. हमारा प्रकाश! ऐसा लगता है जैसे कल ही हम आपके लिए यह गाना बजा रहे थे, जब आप मेरे पेट में लात मार रहे थे। बस यही कहने की कोई बात नहीं है। हम आपको अपने जीवन में पाकर धन्य हैं... आप हर दिन को केक के पूर्ण मलाईदार स्वादिष्ट टुकड़े जैसा महसूस कराते हैं। जन्मदिन मुबारक हो बेबी टाइगर...हम आपको प्यार से भी ज्यादा प्यार करते हैं।
पेशेवर तौर पर रणबीर कपूर के लिए यह साल शानदार रहा-अभिनेता की पिछले साल दो फिल्में रिलीज हुईं - तू झूठी मैं मक्कार, जिसमें श्रद्धा कपूर और संदीप रेड्डी वांगा की एनिमल थी, जिसमें बॉबी देओल, रश्मिका मंदाना, अनिल कपूर और तृप्ति डिमरी थीं। दोनों फिल्मों ने बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन किया और एनिमल जबरदस्त हिट रही। फिल्म में अपने अभिनय के लिए उन्होंने सर्वश्रेष्ठ अभिनेता की फिल्मफेयर ट्रॉफी भी जीती। रणबीर कपूर अगली बार अयान मुखर्जी की ब्रह्मास्त्र के दूसरे संस्करण में दिखाई देंगे। वह कथित तौर पर नितेश तिवारी की रामायण और संदीप रेड्डी वांगा की एनिमल पार्क में भी अभिनय करेंगे। अभिनेता इस साल की शुरुआत में माँ नीतू और बहन रिद्धिमा कपूर साहनी के साथ नए नेटफ्लिक्स शो द ग्रेट इंडियन कपिल शो में दिखाई दिए।

अल्लू अर्जुन ने अपनी क्लासिक आर्या के 20 साल पूरे होने का जश्न मनाया

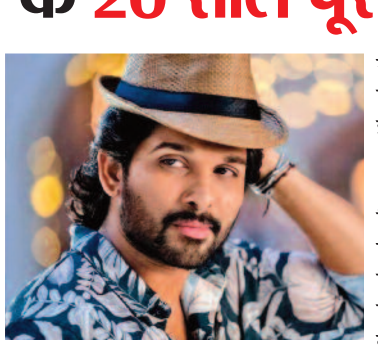

साउथ स्टार अल्लू अर्जुन ने मंगलवार को अपनी प्रतिष्ठित क्लासिक फिल्म आर्या की 20 वीं वर्षगांठ मनाई और कहा कि इसने मेरे जीवन की दिशा बदल दी। अभिनेता ने अपने एक्स (पूर्व में ट्विटर) अकाउंट पर फिल्म निर्माता सुकुमार की 2004 की कल्ट क्लासिक का पोस्टर साझा किया। उन्होंने फिल्म के पोस्टर के साथ लिखा, आर्या के 20 साल। यह सिर्फ एक फिल्म नहीं है... यह समय का एक क्षण है जिसने मेरे जीवन की दिशा बदल दी। हमेशा के लिए आभारी हूं। रोमांटिक एक्शन कॉमेडी आर्या, जिसमें अनुराधा मेहता भी हैं, को अल्लू की सर्वश्रेष्ठ फिल्मों में से एक माना जाता है। इससे अभिनेता को अपने करियर में प्रसिद्धि पाने में मदद मिली और तेलुगु सिनेमा में सुकुमार को पहचान मिली।
फिल्म का एक आध्यात्मिक सीक्वल था, जिसका नाम आर्य 2 था, जो 2009 में रिलीज़ हुई थी। आर्य, आर्य नाम के एक निवर्तमान और मुक्त-उत्साही लड़के की कहानी बताता है, जिसे गीता, एक अंतर्मुखी लड़की से प्यार हो जाता है, जो कि ढाल पर है। एक अन्य व्यक्ति जिसका नाम अजय है।

हेमा मालिनी की चचेरी बहन होने का बॉलीवुड में मधु को मिला था काफी फायदा

बॉलीवुड एक्ट्रेस मधु ने हाल ही में दिग्गज बॉलीवुड स्टार हेमा मालिनी के परिवार से आने के विशेषाधिकार के बारे में बात की। मधु ने कहा कि चूंकि उनके पिता एक फिल्म निर्माता थे और मालिनी उनकी चचेरी बहन थीं, इसलिए अभिनेता बनने के लिए मुंबई आने वाली अन्य लड़कियों के विपरीत, उनके साथ हमेशा सम्मान और सम्मान के साथ व्यवहार किया जाता था। मधु ने एक मनोरंजन पोर्टल को बताया, हेमा जी जैसी कलाकार के घर से आने से मुझे बहुत सम्मान मिला। फूल और कांटे की अभिनेत्री ने विस्तार से बताया कि हालांकि फिल्म उद्योग में कनेक्शन होने से उन्हें सही इलाज मिला, लेकिन इससे सफलता सुनिश्चित नहीं हुई। मधु ने एक मनोरंजन पोर्टल को बताया ÷चाहे मुझे कोई फिल्म मिले या न मिले, चाहे मुझे एक अभिनेता के रूप में सराहना मिले या न मिले, हेमा जी के घर से आने के कारण मुझे निश्चित रूप से वह सम्मान मिला, जो दुर्भाग्य से, कई लड़कियां जो अभिनेता बनने के लिए बॉम्बे आती हैं, उन्हें नहीं मिलता। उन्हें अप्रिय चीजों का सामना करना पड़ता है। लेकिन मुझे वे अनुभव कभी नहीं मिले।
उन्होंने तर्क दिया, शायद इसलिए कि मेरे पिता पहले से ही एक निर्माता थे। हो सकता है कि मुझमें किसी तरह की गरिमा हो। इसने मुझे एक फिल्म नहीं दी, इसने मुझे हिट नहीं दिया, इसने मुझे सराहना भी नहीं दी, लेकिन इसने मुझे पहुंच प्रदान की। अगर मैं किसी के कार्यालय में जाता था, तो मेरे साथ सम्मानपूर्वक व्यवहार किया जाता था।मधु का संबंध अभिनेत्री जूही चावला से भी है। जूही मधु के साले की पत्नी है। लेकिन कयामत से कयामत तक एक्टर के रिश्तेदार होने से उनके करियर पर कोई खास असर नहीं पड़ा। 55 वर्षीय एक्ट्रेस ने कहा जूही जी मेरे जीवन में एक परिवार के सदस्य के रूप में बहुत बाद में आई, मेरी शादी के बाद। और जब मेरी शादी हुई, तो मैंने एक तरह से इंडस्ट्री छोड़ दी थी। इसलिए परिवार में उनका रहना, भावनात्मक रूप से, या मानसिक रूप से, या शारीरिक रूप से, मुझ पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। मधु, जिन्होंने कई तमिल, तेलुगु, हिंदी, कन्नड़ और मलयालम फिल्मों में अभिनय किया है, अगली बार हिंदी मनोवैज्ञानिक थ्रिलर, कर्तम भुगतम में दिखाई देंगी।

मुंबई क्लिनिक के बाहर देखे जाने पर चिढ़े हुए वरुण धवन पैप पर झपटे

बॉलीवुड स्टार वरुण धवन मंगलवार की सुबह अपने सामान्य मूड में नहीं दिखे, जब उन्हें मुंबई में देखा गया तो वह एक फोटोग्राफर से बातचीत करने की कोशिश कर रहे थे। अभिनेता शहर में एक क्लिनिक का दौरा कर रहे थे और जैसे ही कुछ लोग उनके पास आए, उन्हें उनमें से एक पर चिढ़ते हुए देखा गया।एक वीडियो जो अब वायरल हो गया है, उसमें वरुण को अपनी कार से बाहर निकलते और एक क्लिनिक की ओर जाते देखा जा सकता है, तभी एक फोटोग्राफर ने उन्हें अपने कैमरे की ओर देखने के लिए बुलाया। हालाँकि, इससे अभिनेता चिढ़ गए और बोले, डॉक्टर के पास जा रहा हूँ, तेरेको अंदर आना है?जैसे ही वीडियो वायरल हुआ, वरुण के प्रशंसकों ने अपनी चिंता व्यक्त की और अस्पताल यात्रा के दौरान भी उनका पीछा करने के लिए पापराज़ी को बुलाया। दूसरी ओर, कई नेटिज़न्स ने फोटोग्राफरों के साथ उनके व्यवहार के लिए अभिनेता की आलोचना की, जो सिर्फ अपना काम कर रहे थे। काम के मोर्चे पर, वरुण को आखिरी बार जान्हवी कपूर के साथ फिल्म बवाल में देखा गया था, जो 2023 में ओटीटी पर रिलीज हुई थी। वह पिछले साल करण जौहर के निर्देशन में बनी फिल्म रॉकी और रानी की प्रेम कहानी में एक गाने में एक विशेष कैमियो में भी दिखाई दिए थे। .फिलहाल, वह जवान निर्देशक एटली के साथ अपनी पहली फिल्म की रिलीज की तैयारी कर रहे हैं, जिसका नाम बेबी जॉन रखा गया है। उम्मीद है कि यह फिल्म इसी साल सिल्वर स्क्रीन पर रिलीज होगी।इसके अलावा, उनकी अगली फिल्म सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी की शूटिंग भी हाल ही में शुरू हुई, जिसमें वह जान्हवी कपूर के साथ एक बार फिर स्क्रीन साझा करते नजर आएंगे।

लोकसभा चुनाव 2024 अंतर्गत छत्तीसगढ़ के सात जिलों में तीसरे चरण का मतदान 67.33 प्रतिशत रहा

अंतिम आंकड़ा आज दोपहर तक जारी करेगा निर्वाचन आयोग

रायपुर,07 मई 2024(ए)। भारत निर्वाचन आयोग ने छत्तीसगढ़ में आज 7 लोकसभा क्षेत्र में हुए मतदान का शाम 5 बजे तक का आंकड़ा जारी किया है। उसके द्वारा वोटर टर्न आउट के मुताबिक प्रदेश में 66.87त्न मतदान होना बताया गया है। यह आंकड़ा शाम 5 बजे तक का है। हालांकि वोटर टर्न आउट ऐप ने इस आंकड़े को भी अपडेट कर दिया है। इसके आधार पर छत्तीसगढ़ के सातों लोकसभा में कुल 67.33 प्रतिशत मतदान हुआ है।

सबसे ज्यादा धरमजयगढ़ में 82 के करीब पहुंचा मतदान

राज्य की जिन 7 सीटों पर आज मतदान हुआ उनमें विधानसभा की 58 सीटें शामिल हैं। विधानसभावार वोटिंग में रायगढ़ संसदीय क्षेत्र का धरमजयगढ़ सबसे आगे है। वहां करीब 82 प्रतिशत लोगों ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। रायगढ़ के ही लैलुंगा में लगभग 81 और खरसियां में करीब 80 प्रतिशत वोट पड़े हैं। वहीं, भरतपुर सोनहत में भी करीब 80 प्रतिशत वोट पड़े हैं। यह सीट कोरबा संसदीय क्षेत्र में आता है। लगभग 78 प्रतिशत मतदान सरगुजा संसदीय सीट में आने वाले प्रतापपुर विधानसभा सीट में हुआ है।

रायपुर पश्चिम में सबसे कम वोटिंग

सबसे कम वोटिंग के लिहाज से रायपुर पश्चिम विधानसभा क्षेत्र सबसे आगे है। वहां महज 50 प्रतिशत वोट पड़े हैं। इस सूची में दूसरे नंबर पर रायपुर संसदीय क्षेत्र की ही रायपुर ग्रामीण सीट है। वहां करीब 53 प्रतिशत वोट पड़े हैं। बिलासपुर संसदीय क्षेत्र की मस्तुरी विधानसभा में भी करीब 53 प्रतिशत मतदान हुआ है। रायपुर उत्तर सीट पर 53.44 और बिलासपुर में 54.57 प्रतिशत वोट पड़े हैं।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्रीमती रीना बाबासाहेब कंगाले ने किया मतदान

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्रीमती रीना बाबासाहेब कंगाले ने आज सवेरे रायपुर के धरमपुरा पूर्व माध्यमिक शाला स्थित मतदान केंद्र में मतदान किया। उन्होंने और उनकी मां श्रीमती अनिता बाबासाहेब कंगाले ने आम मतदाताओं की तरह लाइन में लगकर मतदान किया। वे मतदान शुरू होने के 15 मिनट पूर्व ही अपने मतदान केंद्र पहुंच गई थीं। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्रीमती कंगाले ने मतदान केंद्र में मतदाताओं को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं का जायजा भी लिया। धरमपुरा पूर्व माध्यमिक शाला परिसर में दो मतदान केंद्र बनाए गए हैं। श्रीमती कंगाले ने इस दौरान लोगों से अपने परिवार के सभी मतदाताओं सहित मतदान अवश्य करने की अपील की। उन्होंने लोकतंत्र के इस त्योहार में मतदाताओं की सक्रिय भागीदारी के लिए 'छोड़कर सारे काम सबसे पहले करें मतदान' का संदेश दिया।

कांग्रेसियों ने पकड़ा फर्जी मतदाता

कोतवाली में दर्ज कराई शिकायत

रायपुर के सेंटपॉल स्कूल मतदान केंद्र में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने फर्जी मतदाता को पकड़ा. शुभम अग्रवाल नामक युवक रेवास मिश्रा नाम के युवक का फर्जी वोटर आईडी कार्ड लेकर मतदान करने पहुँचा था. युवक को लेकर कार्यकर्ता कोतवाली थाना पहुंचे, जहां रायपुर नगर निगम में सभापति प्रमोद दुबे शिकायत दर्ज कराई है

लोकसभावार मतदान का आंका इस प्रकार हैः- =

बिलासपुर लोकसभा - 60.05 प्रतिशत
दुर्ग लोकसभा - 67.91 प्रतिशत
जांजगीर चम्पा लोकसभा - 63.08 प्रतिशत
कोरबा लोकसभा - 71.19 प्रतिशत
रायगढ़ लोकसभा - 77.02 प्रतिशत
रायपुर लोकसभा - 61.25 प्रतिशत
सरगुजा लोकसभा - 74.59 प्रतिशत

छत्तीसगढ़ राज्य निर्वाचन पदाधिकारी द्वारा सभी लोकसभा क्षेत्रों में हुए मतदान का अंतिम आंकड़ा कल दोपहर तक जारी किया जायेगा।

राज्यपाल विश्व भूषण हरिचंदन ने पत्नी के साथ किया मतदान किया

प्रदेश के प्रथम नागरिक राज्यपाल विश्व भूषण हरिचंदन ने रायपुर के सिविल लाइन के सिहावा भवन स्थित मतदान केंद्र में मतदान किया। इसके साथ ही उन्होंने लोगों से घर से निकलकर मतदान करते हुए अपनी सरकार चुनने का आग्रह किया।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने गृह ग्राम बगिया में सपरिवार किया मतदान

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज अपने गृह ग्राम बगिया के प्राथमिक शाला बूथ क्रमांक 49 में सपरिवार मतदान किया। मतदान के लिए श्री साय,मां जसमनी साय,पत्नी कौशल्या साय,बेटा तोशेंद्र साय,बेटी स्मृति साय, बहु राजकुमारी साय सहित पूरे परिवार ने लाइन में लगकर अपने बारी का इंतजार किया और मतदान किया।

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने किया मतदान

प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने पैतृक गांव कुरुदडीह पहुंचकर परिवार के साथ मताधिकार का प्रयोग किया, उन्होंने कहा की प्रजातंत्र का महोत्सव है, सभी को मताधिकार का प्रयोग करना चाहिए, गर्मी ज्यादा है, लेकिन फिर भी लोग अपना मताधिकार का प्रयोग करें।

रामविचार नेताम ने सपरिवार किया मतदान

कैबिनेट मंत्री रामविचार नेताम ने अपने बलरामपुर जिला स्थित गृह ग्राम सानवाल में अपनी पत्नी पुष्पा नेताम और पुत्री निशा नेताम के साथ मतदान किया। इस दौरान उन्होंने लोकतंत्र का महापर्व पर सभी को अपने मतों का प्रयोग करने की अपील की।

मतदान से पहले ही बुजुर्ग वोटर की हो गई मौत

सरगुजा लोकसभा क्षेत्र के जशपुर जिले में मतदान के लिए पहुंचे एक बुजुर्ग की मौत हो गई। मृतक का नाम तारसियुस टोप्पो बताया जा रहा है। लोदाम के जामटोली मतदान केंद्र क्रमांक 303 में यह घटना घटी और इस दौरान यहां मौजूद कर्मियों ने बुजुर्ग को एक कमरे में लिटाकर सीपीआर देने की भी कोशिश की, मगर तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। इस घटना के बाद पुलिस और प्रशासनिक अमला मौके पर पहुंचा और मर्ग की कार्यवाही की।

मतदाता को पोलिंग अधिकारी ने कहा,आप मर चुके हो

लोकसभा चुनाव के तीसरे चरण के लिए छत्तीसगढ़ की 7 लोकसभा सीटों रायपुर, बिलासपुर, कोरबा, रायगढ़, दुर्ग, जांजगीर-चांपा और सरगुजा के लिए मतदान जारी है। सुबह से मतदान केंद्र तक पहुंचकर लोग मतदान कर रहे हैं, लेकिन इस बीच छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर से अजीबोगरीब मामला सामने आया है। मतदान कर्मियों ने एक मतदाता को ये कहकर मतदान करने से रोक दिया कि उसकी मौत हो चुकी है। अपनी मौत की खबर सुनकर खुद मतदाता भी हैरान हो गया। मिली जानकारी के अनुसार मामला रायपुर के मदर टेरेसा वार्ड के बूथ क्रमांक 10 का है, जहां सुधीर मंडपे नामक मतदाता अपने अधिकार का प्रयोग करने पहुंचे थे। पहले तो सुधीर लाइन में लगकर अधिकारियों तक पहुंचे, जहां डॉक्यूमेंट देखने के बाद अधिकारी बोले आप तो मर चुके हो। ये सुनकर सुधीर का माथा ठनक गया और पूछने लगे कि तो क्या मैं भूत हूं? हैरानी की बात तो ये है कि 4 महीने पहले ही सुधीर ने इसी बूथ पर विधानसभा चुनाव के लिए मतदान किया था और 120 दिन के भीतर निर्वाचन आयोग ने उन्हें मृत साबित कर दिया।

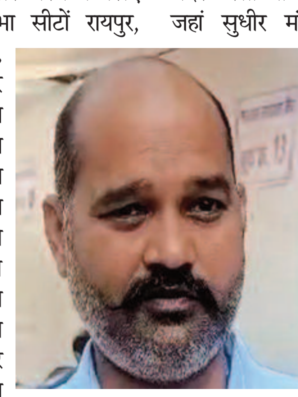

छत्तीसगढ़ का सबसे छोटा मतदान केंद्र, जहां 9 बजे ही हो गया 100 फीसदी मतदान

छत्तीसगढ़ का सबसे छोटा मतदान केंद्र शेराडांड एक बार फिर चर्चा में है.कोरिया जिला मुख्यालय से 120 किमी दूर भरतपुर-सोनहत विधानसभा में स्थित इस मतदान केंद्र में सिर्फ 5 वोटर्स है, यहां चुनाव प्रक्रिया पूरी करने के लिए आयोग ने 7 सदस्यों की टीम भेजी थी. सभी मतदान केंद्र की तरह यहां भी सुबह 7 बजे से शाम 6 बजे तक मतदान का समय था. लेकिन यहां सुबह 9 बजे ही शत प्रतिशत मतदान हो गया

अंतागढ़ टेप कांड मामले में मंतूराम पवार की याचिका हाईकोर्ट से निराकृत

बिलासपुर,07 मई 2024(ए)। अंतागढ़ टेप कांड मामले में हाईकोर्ट ने मंतूराम पवार की याचिका निराकृत कर दी है। मामले की सुनवाई के दौरान शासन की तरफ से पैरवी कर रहे महाधिवक्ता प्रफुल्ल भारत ने कोर्ट को बताया कि इस केस में दर्ज एफआईआर का खारिज खात्मा हो चुका है। केस में बीजेपी के पूर्व मंत्री राजेश मूणत, दिवंगत अजीत जोगी, उनके बेटे अमित जोगी, पूर्व सीएम डॉ. रमन सिंह के दामाद पुनीत गुप्ता, मंतूराम पवार पर धोखाधड़ी और पैसों के प्रलोभन और भ्रष्टाचार अधिनियम की धाराओं के तहत जो मामला पंडरी थाने में दर्ज किया गया था। मामले में जांच पूरी करने के बाद क्लोजर रिपोर्ट भी दाखिल हो चुकी है। मामले में सभी पक्षों को सुनने के बाद जस्टिस रजनी दूबे और जस्टिस रमेश सिन्हा की डिवीजन बेंच ने याचिका निराकृत कर दी।

नशे में धुत्त जवान ने की ताबड़तोड़ फायरिंग

» आरोपी जवान गिरफ्तार, राइफल जब्त, वायरल हुआ वीडियो

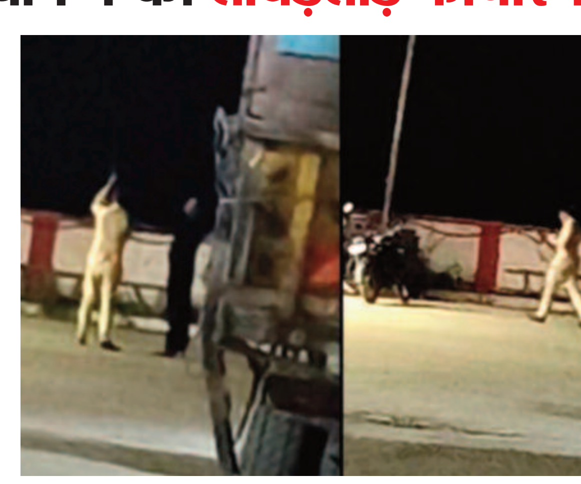

कवर्धा,07 मई 2024(ए)। शादीशुदा जवान को एक अन्य लड़की के साथ अवैध संबंध के चलते नशे में बेवजह फायरिंग करने पर एसपी ने तत्काल निलंबित कर दिया है। शराब के नशे में धुत्त एक पुलिस जवान ने देर रात अपनी सर्विस राइफल से कवर्धा में कई जगहों पर ताबड़तोड़ फायरिंग की। जिससे स्थानीय लोगों में दहशत का माहौल है। वहीं इस मामले में एसपी अभिषेक पल्लव ने तत्काल एक्शन लेते हुए आरोपी जवान को गिरफ्तार कर राइफल जब्त कर लिया है।
साथ ही जवान को सस्पेंड कर दिया गया है और आगे इस पुलिस आरक्षक के खिलाफ बर्खास्तगी की भी कार्रवाई की जा रही है। बताया जा रहा कि, कोमल कुर्रे जवान पहले से ही शादीशुदा है, लेकिन अन्य लड़की के साथ उसका अवैध संबंध था। युवती ने कुछ दिनों पहले ही जवान के खिलाफ 376 का मामला दर्ज कराया था।
आरोपी जवान की ड्यूटी क्वेशचन पेपर की सुरक्षा के लिए नगर के कन्या स्कूल के बाहर लगाई गई थी। जहां से निकलकर बीती रात उसने पहले ढाबे के पास फिर पेट्रोल पंप के पास 7 बार फायरिंग किया उसके बाद अपने ही घर के बाहर फायरिंग की है। इसके बाद पुलिस ने आरोपी जवान को गिरफ्तार कर लिया है और इंसास रायफल भी जब्त कर लिया है। इस मामले में कवर्धा एसपी अभिषेक पल्लव ने बताया कि मामला संज्ञान में आते ही तत्काल जवान को गिरफ्तार कर लिया गया है। साथ ही सस्पेंड भी कर दिया गया है। आगे बर्खास्तगी की भी कार्रवाई की जा रही है।

विकास उपाध्याय बैठे धरने पर

» भाजपा पर आचार संहिता का उल्लंघन करने का लगाया आरोप

रायपुर,07 मई 2024(ए)। छत्तीसगढ़ में लोकसभा चुनाव के अंतिम चरण का मतदान जारी है। इसी बीच रायपुर में कांग्रेस के लोकसभा प्रत्याशी विकास उपाध्याय पुरानी बस्ती सरस्वती स्कूल के सामने धरने पर बैठ गए हैं। उन्होंने भाजपा पर वोटिंग बूथों पर सामाजसेवी संस्थाओं की आड़ में प्रत्याशियों का प्रचार करने का आरोप लगाया है। उन्होंने भाजपा पर आचार संहिता का उल्लंघन करने का आरोप लगाते हुए कहा कि, मतदान के केंद्र में आँगन बाड़ी कार्यकर्ताओं स्वास्थ कार्यकर्ताओं से बीजेपी का प्रचार प्रसार नींबू शरबत बाटने के बहाने मतदाताओं से बीजेपी को वोट देने की दलाली करवा रहे हैं। विकास उपाध्याय वोटिंग बूथों से सामाजसेवी संस्थानों द्वारा लगाए गए नींबू पानी और अन्य पंडालों को तुरंत हटवाने की मांग को लेकर धरने पर बैठे रहे।हालांकि, रायपुर कलेक्टर की समझाईश के बाद विकास उपाध्याय ने धरना समाप्त कर दिया है।

बारूद का जखीरा बरामद

» फोर्स को छत्तीसगढ़-महाराष्ट्र बॉर्डर पर मिली बड़ी सफलता

जगदलपुर,07 मई 2024 (ए)। छत्तीसगढ़ महाराष्ट्र बॉर्डर की सीमा पर गढ़चिरौली के जंगल में फोर्स ने नक्सलियों का असला-बारूद बरामद किया है। करीब 6 कुकर आईईडी 6 पाइप बम, जिलेटिन वायर, कॉर्डेक्स वायर समेत अन्य सामान बरामद किए हैं। बताया जा रहा है कि, नक्सली किसी बड़ी घटना को अंजाम देने के फिराक में थे इसलिए सामानन डंप कर रखा था। लेकिन फोर्स ने नक्सलियों के मंसूबों को नाकाम कर दिया है। दरअसल, पुलिस को सूचना मिली थी कि टिपागढ़ इलाके में नक्सलियों ने भारी मात्रा में बारूद डंप कर रखा है। किसी बड़ी घटना को अंजाम देने की प्लानिंग है। इसी सूचना के बाद महाराष्ट्र के गढ़चिरौली से पुलिस फोर्स को छत्तीसगढ़-महाराष्ट्र बॉर्डर पर सर्चिंग के लिए निकाला गया था। मुखबिर के बताए अनुसार जवान मौके पर पहुंचे। पहाड़ में चट्टानों के बीच नक्सलियों के छिपाकर रखे बारूद के जखीरा को बरामद किया गया। इसमें 6 कुकर बमर, पाइप बम समेत अन्य विस्फोटक बरामद किए गए हैं। बताया जा रहा है कि, पुलिस फोर्स ने मौके पर ही सारी आई डी को ब्लास्ट कर दिया। जवानों ने नक्सलियों के मंसूबों को नाकाम कर दिया है। पुलिस अफसरों ने बताया कि, नक्सलियों के खिकाफ लगातार ऑपरेशन चलाए जा रहे है। इस ऑपरेशन इससे पहले भी इसी इलाके में नक्सलियों के डंप सामान को बरामद किया गया था।

ज्वेलरी दुकान में लूट,सोने की चेन ले गए बदमाश

दुर्ग,07 मई 2024(ए)। जिले के मोती कांप्लेक्स स्थित एक ज्वेलरी दुकान में लूटपाट की वारदात हुई है। दुकान में एक बदमाश घुसा और दुकान संचालक से उसकी सोने की चेन लूट ली। पीड़ित दुकान संचालक की चीख पुकार सुन आसपास के लोगों ने बदमाश को पकड़कर उसकी पिटाई कर दी और उससे लूट की चेन बरामद की। बताया जा रहा है कि आरोपी दो नाबालिग दोस्तों को बिरयानी खिलाने लाया था। जानकारी के मुताबिक, मोती कांप्लेक्स दुर्ग में ज्वेलरी की दुकान चलाने वाले ताराचंद कांकरिया अपनी दुकान पर बैठा हुआ था। इसी दौरान डिपरापारा दुर्ग निवासी आरोपी राज सोनी दुकान में पहुंचा। आरोपी ने दुकान संचालक को धमकाया। फिर उसके पैर पड़ने लगा और इस बीच पीड़ित के गले से उसकी सोने की चेन लूट ली। घटना के बाद आरोपी मौके से भागने लगा। तब दुकान के मालिक और उसके बेटे ने तेज आवाज लगाई। इस पर आसपास मौजूद लोगों ने उसे दौड़ाकर पकड़ा। फिर भीड़ ने उसकी जमकर पिटाई कर दी और कोतवाली पुलिस को सूचित कर उनके हवाले कर दिया।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)